Jatan
Working with young people

जतन

वार्षिक रिपोर्ट

2015-16

jatansansthan.org

जतन, 05, तिरुपति विहार, सेलिब्रेशन मॉल के सामने, भुवाणा, उदयपुर 313001 +91 9828637771

जतन, सुभाष नगर, 100 फीट रोड़, राजसमन्द 313326 +91 2952-220121

जतन, पुलिस स्टेशन मार्ग, रेलमगरा (जिला राजसमन्द) 313329 +91 2952-267620

जतन , बस स्टेंड के सामने, खेरवाड़ा (जिला उदयपुर) 313803 +91 2907-260080

जतन, बस स्टेंड मार्ग, गंगापुर, सहाड़ा (जिला- भीलवाड़ा)

जतन, कपिलवस्तु कॉलोनी, झालरापाटन रोड़, झालावाड़

जतन, सिरोही मार्ग, गोगुन्दा (जिला उदयपुर)

जीवा परियोजना, CHC के पास, रेलमगरा, (जिला राजसमन्द) 313329

अपना जतन केन्द्र, नीमच माता कच्ची बस्ती, देवाली, उदयपुर 313001

उगेर, भाट मोहल्ला, नीमच माता कच्ची बस्ती, देवाली, उदयपुर 313001

वेबसाईट: jatansansthan.org
इमेल: info@jatansansthan.org
फेसबुक: /JatanUdaipur
ट्विटर: @JatanRajsamand
इन्स्टाग्राम: #JatanSaar

संपादन: डॉ. कैलाश बृजवासी | लेखन एवं डिजाइन: ओम | अंग्रेजी अनुवाद: रचित सरन | कवर फोटो: ओम
प्रकाशन: संजरी ऑफसेट प्रिंटर्स, उदयपुर | फोटोग्राफी: जतन टीम (अनुमति सहित सर्वाधिकार सुरक्षित)

जतन

जतन संस्थान राजस्थान के राजसमन्द, उदयपुर, भीलवाड़ा और झालावाड़ जिलों में ज़मीनी स्तर पर काम करने वाली स्वैच्छिक संस्था है. जतन ने अपने काम की शुरुआत सन 2001 में वरिष्ठ शिक्षाविद एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर राजस्थान के राजसमन्द जिले में की.

जतन आरम्भ से ही ग्रामीण और शहरी युवाओं, किशोर-किशोरियों, बच्चों व महिलाओं, निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि, प्रवासी मजदूर एवं समुदाय के वंचित वर्ग को विस्तृत कार्यक्रमों के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, रोज़गार, कौशल विकास, प्रवास एवं मातृत्व व प्रजनन स्वास्थ्य के मुद्दों पर सूचनाबद्ध भागीदारी और प्रजातान्त्रिक प्रक्रिया से अपना कार्य कर रही है.

विजन

जतन एक ऐसे समाज की कल्पना करती है, जहाँ लोग स्वस्थ, सुरक्षित और खुशियों से भरी भेदभावमुक्त जिंदगी जिएँ.

मिशन

जतन राजस्थान के युवाओं को सूचना, संबलन व उचित अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत है ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके.

2001 से निरंतर...

युवाओं के साथ जीवन कौशल प्रशिक्षण और पदस्थापन के लिए पहल

जतन "सेवा प्रदाता" के तौर पर रजिस्टर्ड

2007

2006

HIV/ AIDS पर युवाओं और प्रवासी श्रमिकों के साथ अवेयरनेस केम्पेन

लिंग चयन प्रतिषेध अधिनियम (PCPNDT Act) पर समग्र अभियान

2005

श्रमिक सहायता एवं संदर्भ केंद्र की रेलमगरा में शुरुआत

2004

पंचायतीराज- महिला जनप्रतिनिधियों की क्षमतावर्धन परियोजना का शुभारम्भ

2002

2003

युवाओं के साथ प्रजनन स्वास्थ्य एवं सुरक्षित माहवारी प्रबंधन पर कार्यशालाओं की पहल

2001 राजसमन्द जिले में जतन का पंजीयन

किशोर समूह के गठन के साथ काम की शुरुआत

खेरवाड़ा में किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू 2015

ऋषभदेव में महिला शिक्षा- तारा अक्षर कार्यक्रम शुरू

उदयपुर और झालावाड़ के 15 उपखंडों में
किशोर स्वास्थ्य एवं विकास कार्यक्रम के शुरुआत

2013

2014

उगेर- सुरक्षित माहवारी अभियान की
शुरुआत

उदयपुर में पहला युवा
सम्मेलन आयोजित

रेलमगरा में महिला कृषकों के लिए पहले
"तकनीकी सूचना सन्दर्भ केंद्र" का शुभारम्भ

2011

2012

भीलवाड़ा और उदयपुर में कार्य विस्तार

किशोर- किशोरियों की शिक्षा एवं विकास
कार्यक्रम का आगाज़

2009

राजसमन्द में पहला महिला फागुन मेला

2010

उदयपुर की कच्ची बस्तियों में
"अपना जतन केंद्र" की शुरुआत
बच्चों की शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य पर मुख्य फोकस

2008

नीमच माता कच्ची बस्ती (उदयपुर) में पालनाघर आरम्भ

महिलाओं के अधिकारों की पैरवी पर कार्य
की शुरुआत

अध्यक्ष की कलम से ...

जतन संस्थान को पिछले कई सालों से पूर्व अध्यक्ष श्री श्रीलाल जी गर्ग का मार्गदर्शन मिलता रहा है | हम सब लोग उन्हें प्यार से बापू जी बुलाते हैं | संस्थान से जुड़े हम सभी लोगों में उनके प्रति बहुत सम्मान है | इस वर्ष जब बापू जी ने अध्यक्ष पद से विदाई ली तब से इस महत्वपूर्ण पद की ज़िम्मेदारी मुझे सौंपी गयी | मुझे उम्मीद है कि जिस तरह पिछले कई सालों से बापू जी ने इस पद की ज़िम्मेदारी को अच्छी तरह से संभाला है उसी तरह मैं भी इस पद के साथ न्याय कर पाऊँगी |

जतन संस्थान कई मायनों में विकसित हुई है और बहुत अच्छी तरह से बढ़ी है | सन 2001 में 5 लोगों की एक छोटी सी टीम के साथ शुरू हुई जतन सन 2016 मध्य आते आते 200 लोगों की टीम हो चुकी है | जिन लोगों के साथ मिलकर हम काम करते हैं, उनके प्रति हमारी प्रतिबद्धता जारी है | महिलाओं, पुरुषों, बच्चों और युवा लोगों के साथ हमारा नियमित जुडाव बना रहा है | इस वार्षिक रिपोर्ट में संस्थान द्वारा संचालित कार्यक्रम, नवाचार और उपलब्धियों को जाना जा सकता है |

हालाँकि प्रगति बेहतर रही है, लेकिन हमने कई तरह की चुनौतियों का सामना भी किया है | हम लोगों के लिए 2015 में एक साथ 17 सतत विकास लक्ष्यों को रखा गया है, जिन पर हमें प्राथमिकता के साथ नियमित काम करने की ज़रूरत है। उदाहरण के लिए, जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट प्रबंधन और अन्य पर्यावरण मुद्दों को अब अनदेखा नहीं किया जा सकता है। ये केवल अन्य राष्ट्रों की ही समस्याएं नहीं हैं, बल्कि इन समस्याओं पर हम लोगों को भी अपने क्षेत्र में काम करने की जरूरत है। दक्षिणी राजस्थान के हमारे प्राचीन गाँव अब पहले की तरह शुद्ध और स्वच्छ नहीं रहें हैं | प्लास्टिक ले जाने वाले बैग और प्लास्टिक कचरे को हर जगह देखा जा सकता है। जबकि पहले हम एक ऐसे देश के रूप में जाने जाते थे, जहाँ रीसाइक्लिंग और पुन: उपयोग करना हमारी संस्कृति का हिस्सा था | हम एक ऐसा देश थे, जो शून्य अपशिष्ट उत्पन्न करते थे | इस परिदृश्य में जबरदस्त बदलाव आया है। फिर से उपयोग करने की हमारी पारंपरिक आदतों की जगह अब निपटाने की आदत और अभ्यास ने ले ली है।

अभी भी महिलाओं और लड़कियों के लिए कई स्थान सुरक्षित नहीं हैं | रोक लगाने के कई प्रयासों के बावजूद उन पर घर में हिंसा, लिंग जांच आधारित गर्भपात जारी है। कई लड़कियों का स्कूल छोड़ देना जारी है | लड़कियों के लिए कॉलेज की शिक्षा अब भी विशेष उपलब्धि के समान है। हालांकि स्वास्थ्य देखभाल के लिए कई स्तरों पर सुधार हुआ है, फिर भी वहां तक पहुँच के लिए एक लंबा रास्ता तय करने की ज़रूरत बनी रहती है | मूल स्वच्छता की जरूरत अभी भी प्राथमिकता नहीं है। मासिक धर्म से जुड़े अंधविश्वास जारी हैं।

हालांकि इन सभी के बावजूद, ऐसे बहुत से प्रयास हैं जिन पर हमें गर्व है। मीडिया ने समय-समय पर हमारे काम के मुद्दों को उजागर करके हमें समय-समय पर अपना समर्थन दिया है | चाहे वो कमज़ोर पोषण का मामला हो या घरेलू हिंसा का। माहवारी प्रबंधन विषय से जुडी हमारी टीम ने उत्तराखंड, बिहार, छतीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में विभिन्न संस्थाओं के लिए सन्दर्भ प्रदान करने का काम किया है ।

हमारी जतन टीम पर मुझे बहुत गर्व है, जिन्होंने इस संस्थान को आज की स्थिति तक लाने के लिए बहुत मेहनत की है। मुझे दृढ़ विश्वास है कि आने वाले वर्षों में हम और ऊँची उड़ान भरेंगे |

मैं अपनी पूरी टीम को सफलता की शुभकामनाएं देती हूं।

लक्ष्मी मूर्ति
अध्यक्ष

निदेशक की कलम से ...

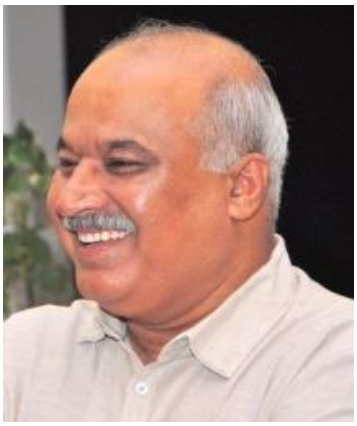

युवाओं, महिलाओं और बच्चों के मुद्दों पर काम करने की प्रतिबद्धता के साथ 15 साल का सफ़र बहुत उत्साहित करने वाला है | विकास की प्रक्रिया में इनकी सक्रिय भागीदारी का होना, इन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सबसे ज्यादा ज़रूरी है | इसके लिए इस साल हमने अपने कार्यक्रम और गतिविधियों में हरेक स्तर पर ये सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि ये भागीदारी एक नियमित परम्परा बन सके |

धरातल पर किये जा रहे कार्यों से लेकर नीति निर्माण और बाहरी एजेंसी द्वारा किये गए आकलन से प्राप्त नतीजों से हमें अपने काम को और भी बेहतर बनाने में मदद मिली है | अपने काम को विस्तार देते हुए इस वर्ष हमने उदयपुर के खेरवाडा और भीलवाडा के सहाडा ब्लाक में अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज की है | इस साल हमारा फोकस किशोरियों के एक बड़े समूह तक पहुंचना और उन्हें जीवन कौशल जैसे ज़रूरी विषय को आत्मसात करवाना रहा | जतन की पहुँच का विस्तार अब पहले से ज्यादा किशोर – किशोरियों, महिलाओं और युवाओं तक संभव हो पाया है, जिसका वर्णन आप इस वार्षिक रिपोर्ट में भी पाएंगे |

अपने काम में आने वाली चुनौतियां कुछ देर के लिए हमें विचलित ज़रूर कर देती हैं परन्तु अंततः बदलती परिस्थितियों के साथ समायोजन करने के लिए हमें तैयार भी करती है और सक्षम भी बनती है | अपनी स्थापना के 15 वर्ष के सफ़र में भी हमने सीखने की प्रक्रिया को न केवल जारी रखा है बल्कि उसे अपने जीवन में और कार्यक्षेत्र में भी उतारा है | ये वर्ष सीखने के साथ साथ अपने अनुभवों को विस्तार देने का भी वर्ष था | क्षेत्रीय स्तर पर अपनी पकड़ को मजबूत बनाने के साथ साथ इस वर्ष हमने जतन के अनुभवों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी रखा है, जहाँ हमें अपने काम को मान्यता दिलाने का अवसर मिला है |

नए काम के साथ नए कार्यकर्ताओं का भी जतन में आगमन हुआ है | ये नए कार्यकर्ता अपने साथ नया अनुभव, नयी दिशाएं ले कर आतें हैं, जो जतन को आज के दौर के साथ कदम से कदम मिलकर चलने में सहयोग देती है | इन कार्यकर्ताओं ने बड़ी ज़िम्मेदारी के साथ काम को संभाला है और ये आज जतन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं |

अपनी इस छोटी सी यात्रा में हम लोगों को आप सभी का, साथी संस्थाओं और फंडिंग पार्टनर्स का सहयोग और मार्गदर्शन मिलता रहता है जो हमारी ऊर्जा को बनाये रखता है |

आशा है कि आने वाले समय में भी ये सिलसिला जारी रहेगा ताकि हम अपने उद्देश्यों के प्राप्ति की दिशा में बढ़ते रहें |

धन्यवाद,

डॉ. कैलाश बृजवासी
निदेशक

विवरणिका

09 किशोर किशोरियों और युवाओं के साथ

15 महिलाओं के साथ

23 बच्चों के साथ

27 कृषि विकास एवं अन्य

32 वित्त, लेखा एवं अन्य परिशिष्ट

किशोर- किशोरियों और युवाओं के साथ

किशोर स्वास्थ्य एवं विकास

उदयपुर एवं झालावाड़ के कुल 15 विकासखण्ड में 420 गांवों तक पहुँच
1680 पीयर एज्युकेटरों सहित 10,080 किशोर- किशोरियों से सीधा जुड़ाव

हिलोर

उदयपुर की खेरवाड़ा तहसील में 248 किशोरी समूहों से सीधा जुड़ाव
744 सखी-सहेलियों के साथ 7563 किशोरियों से पाक्षिक सम्पर्क

हुनर घर : ग्रामीण युवा सन्दर्भ केंद्र

रेलमगरा के खड बामनिया गाँव में युवा संदर्भ केंद्र के 'कंप्यूटर लैब' की शुरुआत

सक्षम

रेलमगरा की सकरावास पंचायत के किशोर किशोरियों के साथ जीवन कौशल कार्यक्रम

जल्दी विवाह और गर्भधारण के विरुद्ध पहल

सहाड़ा (भीलवाड़ा) में महिला जन-प्रतिनिधियों के साथ मिलकर 10 पंचायतों में किशोरियों के जीवन कौशल शिक्षा पर फोकस और बाल विवाह के विरुद्ध अभियान

किशोर स्वास्थ्य एवं विकास परियोजना

शिक्षा की मुख्य धारा से वंचित किशोर किशोरियों के समूह "टीन क्लब" बनाकर उनके द्वारा सामुदायिक जागरूकता एवं ग्राम विकास को केंद्र में रखकर वर्ष 2014 से किशोर स्वास्थ्य एवं विकास परियोजना की शुरुआत हुई. उदयपुर एवं झालावाड़ के कुल 14 विकासखण्ड में 420 गांवो में यह परियोजना किशोर किशोरियों के व्यक्तिगत और सामुदायिक स्वास्थ्य, स्वजागरुकता, नेतृत्व क्षमता विकास और समाज व ग्राम विकास में उनके योगदान पर समझ विकसित करने का प्रयास हैं, जहाँ किशोर-किशोरियों को अपनी क्षमताओं को विकसित करने तथा परिवार और समुदाय स्तर पर नेतृत्व सँभालने का मंच प्रदान किया जाता है.

परियोजना में नेहरु युवा केंद्र, प्रवाह (दिल्ली) भी सहभागी है. UNFPA के सहयोग और मार्गदर्शन में संचालित यह परियोजना अन्य साथी संस्थाओं के साथ 05 राज्यों के 10 जिलों में संचालित है. राजस्थान में जतन द्वारा उदयपुर के 09 विकासखंडों के 270 गांवों तथा झालावाड़ के 05 विकासखंडों के 150 गांवों में सफलतापूर्वक इस परियोजना का संचालन किया गया.

टीन क्लब समूहों की नियमित बैठकें

इस वर्ष टीन क्लबों में पीयर एज्युकेटरों (मित्र सलाहकार) द्वारा द्वितीय और तृतीय चरण के सत्र आयोजित किये गए. इस दौरान किशोरावस्था में शारीरिक- मानसिक बदलाब, माहवारी प्रबंधन, सामुदायिक स्वच्छता, सकारात्मक रिश्ते, सामाजिक असमानता के विरुद्ध सोच का विकास तथा परियोजना के पश्चात टीन क्लबों के नियमित संचालन की कार्य-योजना आदि पर बैठकें आयोजित हुई.

इस दौरान किशोर किशोरियों द्वारा सोश्यल एक्शन प्रोजेक्ट्स भी आयोजित किये गए, जिसमे ग्राम स्तर पर नुक्कड़ नाटक, रंगोली तथा पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, नारा लेखन, ग्राम बैठक, रैली आदि गतिविधियाँ आयोजित की गयी. गोगुन्दा, सराडा, बकानी तथा सुनेल उपखंडों में उपखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गयी.

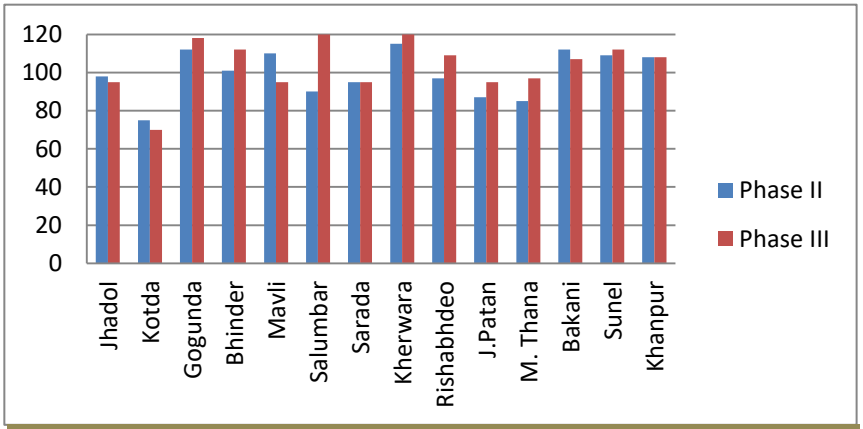

द्वितीय एवं तृतीय चरण प्रशिक्षण में पीयर एज्युकेटरों की उपस्थिति

सतत प्रशिक्षण

टीन क्लब बैठकों के सफल संचालन के लिए ब्लाक तथा जिला समन्वयकों द्वारा 1680 पीयर एज्युकेटरों के साथ क्लस्टर (संकुल) स्तरीय 04 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किये गए. ये द्वितीय और तृतीय, दो चरणों में आयोजित किये गए. प्रवाह से आये दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा ब्लाक टीम का 07 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण अक्तूबर माह में उदयपुर में आयोजित किया गया, जिसमे पहले 04 दिन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये गये तथा शेष 03 दिन में ब्लाक टीम को सत्रों का अभ्यास करवाया गया.

सामाजिक योजनाओं में सहभागिता

टीन क्लब सदस्यों द्वारा ग्राम स्तर पर गरीब एवं वंचित वर्ग की सहायता के लिए सरकार द्वारा संचालित विविध कल्याणकारी योजनाओं से समुदाय को जोड़ने में सहायता की. क्लब साथियों ने इंदिरा आवास योजना, स्वच्छ भारत शौचालय निर्माण,जन-धन खाता खोलने आदि में समुदाय विशेषर महिलाओं की काफी सहायता की. कई क्लबों के सक्रिय सहयोग को देखते हुए स्थानिय्प्रशासन द्वारा उन्हें उपखंड स्तर पर सम्मानित भी किया गया.

पीयर एज्युकेटरों का सम्मान

इस वर्ष के अंत में चयनित बेस्ट 100 पीयर एज्युकेटरों का उदयपुर और झालावाड़ में आयोजित जिलास्तरीय कार्यक्रम मे सम्मान किया गया. पीयर एज्युकेटर किशोर- किशोरियों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए विगत दो वर्षों में क्लब की उपलब्धियों पर चर्चा की. पारितोषिक वितरण में उदयपुर जिला सांसद श्री अर्जुनलाल मीणा ने सहभागिता निभाई.

मार्च में दिल्ली में UNFPA द्वारा आयोजित कार्यशाला में चयनित पीयर एज्युकेटरों ने अपने अनुभव साझा किये. कार्य की उपलब्धियों और चुनौतियों पर बात करते हुए राजस्थान में परियोजना प्रगति पर चर्चा की गयी.

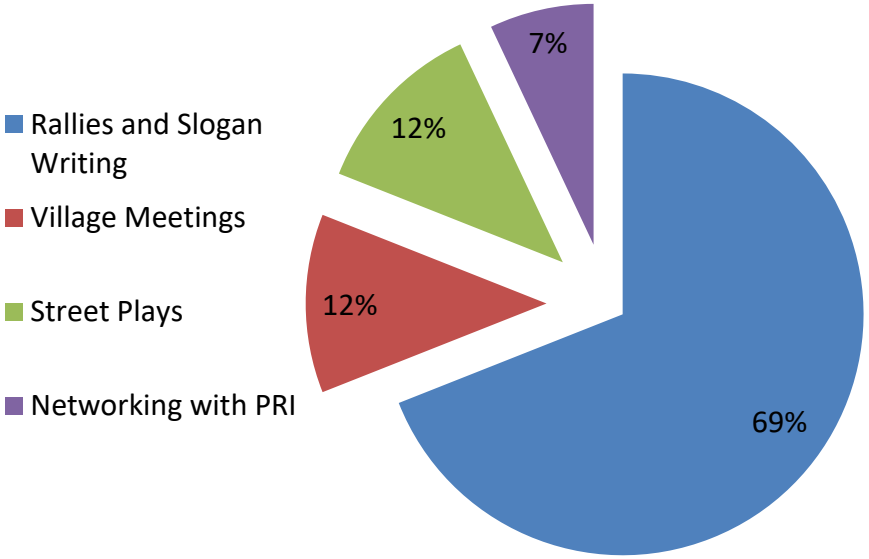

मील के पत्थर

दुर्गा बनी मिसाल

मावली की दुर्गा ने टीन क्लब से जुड़ने के बाद न केवल अपनी रुकी हुई पढ़ाई को फिर से शुरू किया, बल्कि उदयपुर स्थित एक अंतर्राष्ट्रीय फूड चेन रेस्टोरेंट में फ्रंट ऑफिसर की नौकरी करते हुए अपने छोटे भाई की फीस भी भरी. केएफसी रेस्टोरेंट के मैनेजर मोहित कहते है, मैंने इतनी सकारात्मक ऊर्जा वाली लड़की नहीं देखी.

नौकरी के साथ खुद और भाई की पढ़ाई, घर भी संभाला

मावली ब्लॉक के चंदेसरा की रहने वाली 19 वर्षीय दुर्गा रोज 30 किमी की दूरी तय कर शहर के एक रेस्टोरेंट में नौकरी करके अपने घर को चला रही है। घर में दुर्गा उसके माता-पिता और दो भाई हैं। दुर्गा के पिता 20 साल से बीमार हैं और मां घर संभालती है। एक भाई की कमाई से घर चलाना मुश्किल होने लगा तो छोटे भाई की पढ़ाई छूटने की नौबत आ गई। दुर्गा ने नौकरी करने का फैसला लिया। रेस्टोरेंट में नौकरी कर छोटे भाई को पढ़ाया। ओपन स्कूल से खुद की भी पढ़ाई कर रही हैं। 8वीं तक अपने नाना के पास रह कर पढ़ाई करने वाली दुर्गा फिलहाल बारहवीं की पढ़ाई रही हैं।

सोश्यल एक्शन प्रोजेक्ट्स

सभी 14 उपखंडों के टीन क्लब को सामाजिक जागरूकता तथा ग्राम विकास में सहभागिता निभाने के लिए प्रोजेक्ट कार्य दिए गए. इस दौरान 69% क्लब साथियों ने रैली और नारा लेखन में रूचि दिखाई जबकि 12% साथियों ने समुदाय के साथ ग्राम बैठकों का आयोजन किया. 12% क्लब साथियों ने नुक्कड़ नाटक विधा से जागरूकता अभियान चलाया जबकि शेष 7% ने जनप्रतिनिधियों के साथ अलग से बैठकें आयोजित करके उहे उनकी भूमिका से अवगत करवाया. इस प्रोजेक्ट का खास मकसद किशोर किशोरियों को गाँव की चुनौतियों से रूबरू करवाना तथा उसके लिए ठोस रणनीति बनाते हुए उनकी जिम्मेदारी तय करना था.

सफल कहानियों का प्रकाशन

UNFPA के सहयोग से प्रवाह ने साथी संस्थाओं के सहयोग से देशभर के उन टीन क्लबों और पीयर एज्युकेटर साथियों की कहानियों को किताब की शक्ल में प्रकाशित किया, जिनके काम बिरले थे. "प्रयास से सच किया सपना" शीर्षक की इस कॉफ़ी टेबल बुक में कुल 36 सफल कहानियों में सर्वाधिक 09 कहानियां अकेले जतन के कार्यक्षेत्र से प्रकाशित हुई.

पहले युवा महोत्सव का आगाज़

दिसंबर के तृतीय सप्ताह में उदयपुर स्थित गांधी ग्राउंड में उदयपुर के सभी चयनित उपखंडों से 500 से अधिक युवाओं ने भाग लिया. दिन में अलग अलग जीवन कौशल सत्रों के बाद शाम को रॉक बैंड और लोक संगीत की जुगलबंदी में स्थानीय संगीत हावी रहा. दूसरे दिवस सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और विविध खेल स्पर्धाओं के आयोजन के बाद विजेताओं को सम्मानित किया गया.

हिलोर: एक्शन फॉर एडोलसेंट गर्ल्स

उदयपुर जिले के खेरवाडा विकास खंड में संचालित हिलोर- किशोरी सशक्तिकरण परियोजना मुख्यतः आदिवासी, ड्रॉपआउट और अस्कुलित किशोरियों को समर्पित है. परियोजना का उद्देश्य किशोरियों के मानवाधिकारों की सुरक्षा करना है ताकि उनके कम आयु में विवाह और गर्भाधान को टाला जा सके, उन्हें अनचाहे गर्भ से सुरक्षा मिले तथा उनकी स्वास्थ्य व सामाजिक स्थिति और आर्थिक दक्षताओं को बेहतर बनाया जा सके. यह परियोजना उन्हें जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने और स्वयं को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होती है. यह परियोजना UNFPA जयपुर के सहयोग और मार्गदर्शन में चल रही है.

परियोजना परिचय कार्यशाला

खेरवाडा पंचायत समिति सभागार में जून 2015 को " किशोरियों के साथ काम करना क्यों आवश्यक" विषय पर सारगर्भित चर्चा के साथ परियोजना की शुरुआत हुई. ब्लाक स्तरीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, साथी संस्थाओं तथा समुदाय की उपस्थिति में परियोजना के उद्देश्यों को स्पष्ट किया गया.

सखी सहेलियों का चयन एवं समूह गठन

इस परियोजना के अंतर्गत सभी 45 पंचायतों के 196 गांवों के 248 आंगनवाडी केन्द्रों के माध्यम से 7000 से अधिक किशोरियों तक सीधी पहुँच बनी है. इसके लिए 248 किशोरी क्लब का गठन किया गया. समुदाय के सहयोग से प्रत्येक क्लब में एक सखी और दो सहेलियों का चयन करके सभी 744 सखी- सहेलियों (मित्र सलाहकार) को प्रशिक्षण दिया गया.

सखी- सहेलियों और कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण

परियोजना और मोड्यूल पर समझ तथा अपनी भूमिका की समझ बनाने के उद्देश्य से अक्तूबर और नवम्बर में चार दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया. इस प्रशिक्षण में सेक्टर और क्लस्टर अनुसार सखी- सहेलियों, आंगनवाडी कार्यकर्ताओं और आशा सहयोगिनियों ने भाग लिया. इस प्रशिक्षण में शत प्रतिशत सखी सहेलियों, तथा 85% से अधिक आंगनवाडी कार्यकर्ताओं और आशा सहयोगिनियों ने भाग लिया.

किशोरी समूहों की नियमित बैठकें

किशोरी समूहों की पाक्षिक बैठकें तय एजेंडानुसार आयोजित हुई. इस दौरान UNFPA के सहयोग से निर्मित मोड्यूल का प्रयोग किया गया. पूरे वर्षपर्यंत आयोजित की गयी, जिनमे मोड्यूल आधारित सत्रों का आयोजन किया गया. इस वर्ष में मुख्यत जीवन कौशल से सम्बंधित विषयों, जेंडर आधारित भेदभाव, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आदि विषयों का समावेश किया गया. इस मोड्यूल को "मेरे पंख- मेरी उड़ान" नाम दिया गया है.

सामाजिक अभियान

इस वर्ष में सभी 248 आंगनवाडी केन्द्रों पर सामाजिक अभियान (सोश्यल एक्शन प्रोजेक्ट्स) आयोजित किये गए. इस दौरान समूहों ने सामाजिक चेतना निर्माण गतिविधियाँ आयोजित की. बाल विवाह पर नुक्कड़ नाटक, रैली, नारा लेखन आदि द्वारा समुदाय से किशोरियों का सीधा जुड़ाव स्थापित हुआ.

हितधारकों के साथ नेटवर्किंग

पूरे वर्ष में अलग अलग समय विविध बैठकों तथा कार्यशालाओं के माध्यम से परियोजना हितधारकों के साथ नेटवर्किंग स्थापित की गयी. इस दौरान शासन, प्रशासन, ग्राम आधारित संस्थाओं, विद्यालय, आंगनवाडी, जनप्रतिनिधियों आदि के साथ परियोजना की प्रगति पर चर्चा की गयी. इस दौरान स्थानीय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्रधान, उपखंड अधिकारी तथा ब्लाक शिक्षा अधिकारी का सक्रिय सहयोग मिला. ग्राम स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति भी बेहतर रही.

मोड्यूल निर्माण कार्यशाला

UNFPA के मार्गदर्शन में जतन तथा विशाखा संस्थान के विषय विशेषज्ञों ने मिलकर अलग अलग चरणों में परियोजना के मोड्यूल के निर्माण में सहयोग किया. मोड्यूल निर्माण में UNFPA दिल्ली तथा जयपुर कार्यालयों के साथ साथ अन्य विषय विशेषज्ञों ने भी सहभागिता निभाई.
इसी मोड्यूल के आधार पर किशोरी क्लबों के साथ विविध पाक्षिक बैठकें आयोजित की गयी.

किशोरी दिवस का आयोजन

सभी 248 आंगनवाडी केन्द्रों पर वार्षिक किशोरी दिवस का आयोजन किया गया. इस दौरान किशोरियों की स्वास्थ्य- पोषण जांच, राजकीय योजनाओं की जानकारी, खेल गतिविधियों, व्यावसायिक प्रशिक्षणों, महिला एवं बाल विकास तथा महिला अधिकारिता आदि विभागों से जुडी सेवाओं आदि को जोड़ा गया.
ब्लाक स्तर पर आयोजित किशोरी मेला में 700 से अधिक किशोरियां जुटी. खेरवाडा में फ़रवरी माह में आयोजित इस मेले में तकरीबन 20 से अधिक स्टाल सजाई गयी, जहाँ विभिन्न रोचक जानकारियों तथा स्पर्धाओं के साथ साथ किशोरियों को बेहतर पोषण, स्वास्थ्य तथा व्यक्तिगत स्वच्छता सम्बंधित जानकारियां दी गयी.

कार्य समीक्षा एवं मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अंतिम सप्ताह में मासिक परियोजना समीक्षा और आगामी आयोजना बैठक आयोजित की गयी. UNFPA के साथ त्रेमासिक समीक्षा बैठकों का आयोजन रखा गया. कार्यक्रम की बेहतरी के लिए इस दौरान आये गए सुझावों को अमल में लाया गया.
बेसलाइन के लिए बाह्य एजेंसी द्वारा कार्यक्रम के आरंभिक महीनों में सर्वे कार्य पूर्ण किया गया.

नियमित विजिट

परियोजना क्षेत्र में परियोजना टीम के अतिरिक्त कई अन्य संस्थाओं, UNF बोर्ड सदस्यों, UNFPA दिल्ली तथा जयपुर आदि की भी नियमित विजिट रही. UNF बोर्ड सदस्यों द्वारा दिसंबर माह में लराठी गाँव का दौरा कर किशोरी समूह से मुलाकात की गयी.

प्रकाशन

किशोरियों तथा समूहों की सफल कहानियों पर UNFPA की तरफ से कॉफ़ी टेबल बुक प्रकाशित की गयी. इसके अतिरिक्त किशोरियों के जीवन में आ रहे बदलावों पर एक शोर्ट डॉक्युमेंट्री फिल्म का भी निर्माण किया गया. किशोरी समूहों की सखी-सहेलियों की परिचय पुस्तिका तथा खेरवाडा ब्लाक प्रोफाइल का भी प्रकाशन जतन द्वारा किया गया.

हुनर-घर

ग्रामीण युवा संदर्भ केंद्र

राजसमन्द में स्थापित हुनर-घर का मुख्य उद्देश्य कंप्यूटर के माध्यम से युवाओं में वैचारिक बदलाव और स्थानीय ग्राम विकास में उनकी भागीदारी को बढ़ाना है. डेवलपिंग वर्ल्ड कनेक्शन और सॉफ्ट चॉइस (कनाडा) के वित्तीय सहयोग से ग्रामीण युवाओं में टेक्नोलोजी के प्रति रुझान बढ़ने में हुनर- घर काफी लोकप्रिय रहा.

रेलमगरा में 28 कम्प्यूटरों से सुसज्जित लेब खड बामनिया गाँव में स्थापित हुई है, जहाँ युवाओं, बच्चों के अलग अलग समूह बनाकर उन्हें कंप्यूटर शिक्षा दी जा रही है. युवाओं और किशोर-किशोरियों के साथ वर्तमान में कंप्यूटर और इन्टरनेट की बेसिक जानकारी के साथ उन्हें इसके उपयोग के लाभ बताये जा रहे हैं.

अपने शुरूआती दौर से गुज़र रही यह इ-लेब भविष्य में कृषि, आजीविका, शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य आदि में युवाओं की समझ को बढाने में सहायक होगी.

भविष्य में इ-लेब कार्यक्रम को विस्तृत करते हुए रेलमगरा के राजकीय विद्यालयों में बच्चों को सामुदायिक भागीदारी के जरिये कंप्यूटर पारंगत बनाने की भी योजना है.

सक्षम

वर्ष 2014 से आरम्भ सक्षम कार्यक्रम, रेलमगरा के युवा समूहों के साथ नियमित संपर्क और विभिन्न सामाजिक एवं जीवन कौशल विषयों पर उनकी समझ विकसित करते हुए उनके माध्यम से परिवार और समुदाय में सकारात्मक बदलाव लाने का एक सतत प्रयास है. प्रति माह युवा समूह बैठकों में चयनित विषय पर सत्रों का आयोजन कर प्रयास रहता है कि जीवन व्यवहार से जुड़े इन विषयों पर हरेक युवा गहरी समझ विकसित करे ताकि अपने और अपने गाँव के विकास के प्रति अपनी भूमिका और जवाबदेहिता को पहचान सके. सक्षम कार्यक्रम से रेलमगरा के मोर्रा, मदारा एवं सकरावास गांवों के किशोर- किशोरियां लाभान्वित हो रहे हैं.

इस वर्ष आयोजित बैठकों में प्रभावी सम्प्रेषण, शरीर की समझ, प्रजनन स्वास्थ्य, यौन संक्रमण, लिंग जांच, घरेलू हिंसा एवं स्थानीय स्वशासन एवं पंचायतीराज, सहानुभूति- समानुभूति, मेरे गाँव के विकास में मेरी भूमिका जैसे विषयों पर एक-एक दिवसीय सत्र आयोजित किये गए. समापन दिवस पर युवाओं को प्रमाण पत्र दिए गए.

सामुदायिक चुनौतियों पर कार्यशाला:

दिसंबर में युवा समूहों के युवाओं के साथ आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में युवाओं के अलग अलग समूह बनाकर शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर आ रही चुनौतियों को सूचीबद्ध करते हुए उनके संभावित समाधान में समूहों की भूमिका पर चर्चा की गयी.

जल्दी विवाह और गर्भधारण के विरुद्ध "किशोरी ब्रिगेड"

सहाड़ा (भीलवाड़ा) में महिला जन-प्रतिनिधियों के साथ मिलकर 10 पंचायतों में किशोरियों के जीवन कौशल शिक्षा पर फोकस और बाल विवाह के विरुद्ध अभियान की शुरुआत अप्रेल 2015 से की गयी.

पंचायत स्तर पर किशोरियों के समूह बनाकर उनके साथ मासिक जीवन कौशल शिक्षा कार्यशालाएं आयोजित की गयी. महिला जन-प्रतिनिधियों के समक्ष गाँव की मुख्य समस्याओं आर समझ बनाने तथा जल्दी विवाह रोकने के लिए किशोरी-ब्रिगेड गठन का कार्य किया.

किशोरियों के इस समूह ने जहाँ गांवों में होने वाले दर्जनों ऐसे बेमेल या जल्दी विवाह की सूचना लीक की और बच्चियों के जीवन को सुरक्षित बनाया.

किशोरियों के साथ इस वर्ष फ़रवरी में किशोरी मेला भी आयोजित किया गया. इस मेले में किशोरियों के बीच आगे पढने और स्वस्थ स्पर्धा की भावना विकसित करने के साथ ही व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए भी प्रेरित किया गया.

"किरण बेदी बनकर बाल विवाह कराने वालों को जेल में डाल दूंगी."

सहाड़ा विकासखंड के गाँव सुरावास की किरण जाट अपने आप को किरण बेदी से कम नहीं मानती. कहती है, जिस दिन बड़ी होकर 'पुलिस' बनेगी, सबसे पहले बाल विवाह कराने वाले लोगों को जेल में फिट कर देगी.

महिलाओं के साथ

पंचायतीराज में महिला जन प्रतिनिधियों का सशक्तिकरण

रेलमगरा (राजसमन्द) और सहाड़ा (भीलवाड़ा) में निर्वाचित महिला जन प्रतिनिधियों के क्षमतावर्धन और ग्राम विकास पर सघन कार्य. फ़िलहाल 979 पंच-सरपंच का साथ...

मातृत्व स्वास्थ्य

राजसमन्द में सुरक्षित मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण पर रिसर्च एवं पैरवी

महिलाओं की शिक्षा 'तारा अक्षर'

उदयपुर की ऋषभदेव विकासखंड के 14 गांवों में कंप्यूटर आधारित प्रोग्राम के ज़रिये महिला शिक्षा पर कार्य, 1230 महिलाएं और 240 बच्चे पढना लिखना सीखे

सुरक्षित माहवारी अभियान

पूरे राष्ट्र में माहवारी आधारित भ्रांतियों के खात्मे तथा स्वच्छता पर प्रशिक्षण एवं सूती कपडा आधारित उगेर पेड का निर्माण

बेटियों की बातें

लिंग जाँच प्रतिषेध अधिनियम के के अंतर्गत बेटियों के सम्मान के पुनर्स्थापन पर कार्य

परिवार परामर्श केंद्र

राजसमन्द में महिलाओं के प्रति हिंसा के विरुद्ध महिलाओं को शीघ्र न्याय दिलाने को प्रतिबद्ध
2000 से अधिक महिलाओं को अब तक मिला सहयोग

मेरे गाँव में मेरी सरकार

पंचायतीराज में महिला जन प्रतिनिधियों का सशक्तिकरण

पंचायत चुनाव 2015 में चुनकर आई नयी महिला जन-प्रतिनिधियों के साथ इस वर्ष कार्य की शुरुआत की गयी. इस वर्ष चुनाव के बाद रेलमगरा (राजसमन्द) में 163 महिला जनप्रतिनिधि चुनकर आई जबकि सहाड़ा (भीलवाड़ा) में 143 महिला जनप्रतिनिधियों ने पद भार संभाला. इस बार प्रमुख बात यह रही कि जन प्रतिनिधि शिक्षित थी.

आमुखीकरण कार्यशाला :
सबसे पहले सभी महिला जनप्रतिनिधियों के साथ मई में आमुखीकरण कार्यशालाएं आयोजित की गयी. इस दौरान संस्थागत परिचय, पुराने जनप्रतिनिधियों के अनुभवों से लाभान्वित होने, शासन-प्रशासन की बारीकियों सहित आगामी आयोजना निर्माण पर फोकस रहा. इन कार्यशालाओं में 15 महिला सरपंचों सहित कुल 201 महिला जनप्रतिनिधियों ने भागीदारी निभाई.

महिला नेतृत्व कार्यशालाओं का आयोजन:
वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में दोनों उपखंडों में कुल 08 महिला नेतृत्व कार्यशालाएं आयोजित की गयीं. इन कार्यशालाओं में मुख्यतः समाज में महिलाओं की स्थिति, पंचायतीराज त्रि-स्तरीय व्यवस्था, वार्ड सभा, ग्राम सभा, पाक्षिक बैठक, जनप्रतिनिधियों के अधिकार एवं कार्य, नेतृत्व बदलाव तथा बदलाव की सोच पर फोकस किया गया. समाज के हर वर्ग के विकास पर कार्य योजना निर्माण एवं बजटिंग पर भी सत्र आयोजित किये गए. इस दौरान रोल प्ले, छोटे एवं बड़े समूहों में चर्चा, सफल कहानियां आदि विधाओं का सहयोग लिया गया.
इसी के साथ बाद में समान विषयों पर फोलो-अप कार्यशालाएं भी आयोजित की गयी. इस दौरान विकास कार्यों में आ रही चुनौतियों के समुचित समाधान पर भी विषय विशेषज्ञों द्वारा जनप्रतिनिधियों का क्षमता विकास किया गया.

द हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग और मार्गदर्शन में जतन संस्थान, द्वारा पंचायतीराज त्रि-स्तरीय व्यवस्था के अंतर्गत चयनित महिला जनप्रतिनिधियों के साथ वर्ष 2002 से कार्य किया जा रहा है. राजसमन्द तथा भीलवाड़ा जिलों में गठित महिला पंच- सरपंच संगठन महिला जनप्रतिनिधियों को उनके अधिकार स्पष्ट करते हुए उनकी भागीदारी को बढाने हेतु सक्रिय रूप से काम के लिए समझ विकसित करने तथा समय समय पर विविध गतिविधियों द्वारा क्षेत्र विकास के मायने स्पष्ट करने के लिए कार्य जारी है.. परस्पर समझ और एकता से कार्य करने के दौरान आ रही चुनौतियों का सामना करने की कला ये संगठन

306	• महिला जनप्रतिनिधियों के साथ हुआ आधारभूत सर्वे
201	• महिला जनप्रतिनिधियों ने आमुखीकरण कार्यशाला में पहली बार लिया भाग
281	• महिला नेतृत्व कार्यशाला में रही सहभागिता
133	• फोलो-अप कार्यशाला में साथ जुड़ी महिला जनप्रतिनिधि
181	• नीड बेस्ड कार्यशाला में रही सक्रिय भागीदारी

मील के पत्थर

आठ दिन के बजाय अब पांतरे पानी

"सरपंच बनने के बाद पहली प्राथमिकता बरसों पुरानी पाइप लाइन को बदलवाना था. बजट की सबसे बड़ी समस्या थी. हल नहीं सूझ रहा था. ऐसे में जतन के सहयोग से जनवरी में मीडिया का सहारा लिया और राजस्थान की जल संसाधन मंत्री किरण माहेश्वरी से जयपुर में मुलाक़ात की.
परिणामस्वरुप मार्च में मेरी पंचायत की समस्त पुरानी पाइप लाइन को बदलकर नयी लाइन डालने का वर्क आर्डर विभाग द्वारा जारी कर दिया गया.
अब मेरा अगला लक्ष्य पंचायत की निजी आय को बढ़ाते हुए बेटियों के लिए छात्रावास की स्थापना करना है ताकि दूरस्थ गांवों की बेटियों को स्कूल न छोड़ना पड़े."

- दीपिका सोनी
  सरपंच, ग्राम पंचायत खाँखला, सहाड़ा (भीलवाड़ा)

आधारभूत सर्वे

निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों के साथ उनके व्यक्तिगत, पारिवारिक, राजनैतिक, सार्वजनिक भागीदारी, पंचायतीराज पर समझ, भूमिका एवं नेतृत्व आदि को समझने के लिए सभी 306 महिला जनप्रतिनिधियों के बीच आधारभूत सर्वे पूर्ण किया गया.

पंच-सरपंच संगठन का गठन

सितम्बर मध्य तक दोनों उपखंडों में महिला जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधि संगठन "महिला पंच-सरपंच संगठन" का गठन का कार्य पूर्ण हो गया. यह संगठन महिला नेतृत्व को कार्य के दौरान आ रही चुनौतियों पर सामूहिक निर्णय लेता है. संगठन की त्रैमासिक बैठकें भी इस वर्ष आरम्भ हो गयी. पहली बैठक के दौरान मनरेगा कार्य, पाक्षिक बैठकों के नियमितीकरण, वार्षिक कार्य योजना आदि मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई.
दोनों ही उपखंडों में संगठन को कार्यालय संचालित करने के लिए जतन की ओर से स्थान उपलब्ध करवाया गया है.

जयपुर में धमक

अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में द हंगर प्रोजेक्ट द्वारा जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय महिला जनप्रतिनिधि सम्मलेन में रेलमगरा और सहाड़ा, दोनों उपखंडों की जनप्रतिनिधियों ने भागीदारी निभाई. इस दौरान आयोजित विविध सत्रों में जतन से सम्बद्ध महिला जनप्रतिनिधियों की सार्थक सार्थक सहभागिता रही.

जान पहचान का प्रकाशन

जतन द्वारा रेलमगरा क्षेत्र की सभी महिला जनप्रतिनिधियों की परिचय पुस्तिका "जान पहचान" का प्रकाशन किया गया है. इस परिचय पुस्तिका के सहयोग से सभी जनप्रतिनिधि परस्पर सम्पर्क में रह सकेंगी.

पंचायत में पीने का पानी नहीं, सरपंच दीपिका बोलीं | पहली बार आपकी अदालत में आपकी सरकार | पीएचईडी मंत्री किरण माहेश्वरी के जवाब

मेरे गांव में 8 दिन में 1 बार पानी आता है, सरकार क्या कर रही है? | **ऐसा तो नहीं होना चाहिए, अभी लिखकर दीजिए, समाधान करते हैं**

राज्य की पीएचईडी मंत्री किरण माहेश्वरी का सामना हमने करवाया एक ऐसे गांव की सरपंच से जहां आठ दिन में एक बार पानी आता है। दैनिक भास्कर स्पीक अभियान की मेहमान सरपंच दीपिका सोनी के तीखे सवालों पर मंत्री भी सफाई देतीं नजर आईं।

सरपंच दीपिका सोनी

भीलवाड़ा जिले की सहाड़ा तहसील के खाकला ग्राम पंचायत की सरपंच दीपिका सोनी की गिनती उन महिला सरपंचों में होती है जो अपने गांव की तस्वीर बदलने में जुटी हैं। बकौल दीपिका उनके गांव के सामने सबसे बड़ी समस्या पानी की है, इसका समाधान होते ही यहां लोगों की आधी दिक्कतें दूर हो जाएंगी।

"चुप रहने से अच्छा है प्रश्न पूछिए"

Q 25 साल पहले डाली गई पाइप लाइनें टूट चुकी हैं, आपको भी समस्या बताई, अभी तक कुछ नहीं हुआ?
जवाब : आपका प्रस्ताव आएगा तो निश्चित तौर पर ध्यान देंगे। जनता जल योजना में 130 करोड़ रुपए इसी काम के लिए रखे हैं। बिजली का बिल चुकाने वाली पंचायतों में पाइप लाइन रिपेयर भी सरकार करवा रही है।

Q मेरे गांव में तो आठ दिन में एक बार पानी आता है, लोग अब क्या करें?
जवाब : ऐसा नहीं होना चाहिए। आप अभी लिखकर दीजिए, हम समाधान करते हैं।

Q पूरी पंचायत फ्लोराइड पानी पीती है, लोगों के घुटने मुड़ गए, शुद्ध पानी कब मिलेगा?
जवाब : आपकी पंचायत में आरओ प्लांट का प्रस्ताव चल रहा है। नजदीक की अन्य पंचायतों को भी इससे जोड़ा जाएगा।

Q गरीब परिवार आरओ का पानी कैसे पीएंगे?
जवाब : पाइप लाइन के पानी के हर माह 200 रुपए देने पड़ते हैं, आरओ का पानी सस्ता है, इसमें दो रुपए प्रतिदिन यानि महीने के 60 रुपए ही देने होंगे।

Q पानी की समस्या का स्थायी समाधान कैसे खोजेंगे?
जवाब : इसके लिए दोहरी रणनीति अपना रहे हैं। पांच साल में पूरे होने वाले मेजर प्रोजेक्ट और रुरल प्रोजेक्ट। सरकार 30 हजार करोड़ रुपए पेयजल के लिए खर्च कर रही है। 67 योजनाएं चला रहे हैं।

Q तीसरे साल के लिए कोई नई योजना?
जवाब : इस साल हम एक एचपी के 1000 सोलर पंप लगा रहे हैं। इसके अलावा पीपीपी आधारित एस्को मॉडल लागू करने वाला भी राजस्थान पहला स्टेट है। इसमें 25-30 साल पुराने पंप बदले जाएंगे ताकि बिजली की बचत हो। पहले चरण में शहरी इलाकों के पंप बदले जाएंगे।

Q पर्याप्त लैब नहीं, पेयजल की शुद्धता कैसे आंके?
जवाब : हां यह सही है कि हमारी लैब जिला स्तर पर हैं जिन्हें ब्लॉक स्तर तक ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। 125 ब्लॉक में लैब स्थापित हो गई हैं, बाकी में भी जल्द लगा लेंगे।

Q नहरी क्षेत्र के फिल्टर पुराने हो चुके हैं?
जवाब : हां कई फिल्टर इतने पुराने हो चुके हैं कि पानी शुद्ध नहीं कर पा रहे। 150 फिल्टर इस साल अपग्रेड होंगे चरणबद्ध रूप से सारे फिल्टर बदलेंगे।

Q पानी बचाने की कोई खास योजना?
जवाब : जल स्वावलंबन अभियान में हम जीआईएस मैप के जरिए ऐसे इलाके चिन्हित कर रहे हैं जहां पानी का संचय हो सके। इसमें 3500 गांव शामिल हैं। इसके अलावा जयपुर के एक इलाके को रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए मॉडल बनाने जा रहे हैं। वहां हर घर में वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर होगा। अब हमारा ज्यादा जोर ग्राउंड वाटर की जगह सरफेस वाटर के दोहन पर होगा।

मातृत्व स्वास्थ्य

राजसमन्द में सुरक्षित मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण पर शोध एवं पैरवी

राजस्थान राज्य के गणना उन राज्यों में होती हैं, जहाँ आज भी मातृ एवं शिशु मृत्यु दर काफी अधिक है. विविध कल्याणकारी योजनाओं के कारण स्थिति में काफी सुधार आया है, किन्तु अभी भी काफी कार्य शेष है. राज्य एवं केंद्र सरकारों द्वारा संचालित विविध योजनाओं जैसे *जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, जननी सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री घी योजना, कलेवा योजना, शुभ लक्ष्मी योजना* के प्रभावी क्रियान्वयन तथा उनके लाभ को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जतन ने राजसमन्द में इस वर्ष रिसर्च, पैरवी का कार्य किया.

रेलमगरा में आधारभूत सेवाओं एवं सुविधाओं पर शोध: सुरक्षित मातृत्व गठबंधन (सुमा) के अंतर्गत जतन ने चेतना (अहमदाबाद) के सहयोग से रेलमगरा के चयनित उपस्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मौजूदा व्यवस्थाओं और सुविधाओं पर शोध करते हुए मुद्दा आधारित बैठकें आयोजित की. गाँव में गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा उनके महिला परिजनों के साथ आयोजित इन बैठकों में उनके अनुभवों को समझा गया. इस अनुभवों को *ग्राम सभा* के सामने प्रस्तुत करते हुए समस्याओं के समाधान पर पैरवी की गयी.

राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की नियमित बैठकें: रेलमगरा तथा कुरज में राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी (RMRS) की नियमित बैठकें सञ्चालन में जतन की भूमिका सार्थक रही. इस दौरान समिति की बैठकें नियमित करवाने तथा मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी में समिति के योगदान पर चर्चा की गयी.

ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता समिति सदस्यों के साथ नियमित सम्पर्क: प्रत्येक माह के प्रथम गुरुवार को आयोजित ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता समिति (VHSNC) के साथ बैठकों में लगातार मातृत्व स्वास्थ्य पर चर्चा की गयी. इस दौरान समिति के बजट को इस ओर खर्च करने सम्बन्धी सलाह एवं प्रशिक्षण भी दिया गया.

तारा अक्षर

उदयपुर की ऋषभदेव विकासखंड के 14 गांवों में कंप्यूटर आधारित प्रोग्राम के ज़रिये आदिवासी महिलाओं और प्राथमिक शाला के बच्चों के साथ शिक्षा के ज़रिये विकास सिद्धांत पर आधारित "तारा अक्षर" कार्यक्रम डवलपमेंट अल्टरनेटिव्स (दिल्ली) और यूनिसेफ के सहयोग से चलाया गया. इस परियोजना से इस वर्ष 1230 महिलाएं तथा 240 बच्चे लाभान्वित हुए. अलग अलग बैच में सरल हिंदी और गणित पर आधारित कंप्यूटर सॉफ्टवेयर आधारित पाठ्यक्रम "तारा अक्षर" तथा "तारा गणित" के माध्यम से महिलाओं और बच्चों को सरल हिंदी तथा गणित में पारंगत किया गया.

वातावरण निर्माण एवं समूहों में शिक्षण:
चयनित गांवों में अनुदेशकों द्वारा वातावरण निर्माण गतिविधियों के बाद अशिक्षित महिलाओं के समूह बनाकर अलग अलग बैच बनाये गए. चार चरणों में कुल प्रत्येक गाँव में कुल 12-12 बैच में महिलाओं के साथ कक्षाएं स्थापित की गयी कुछ कक्षाएं मनरेगा कार्यस्थलों पर भी संचालित की गयी. 45 दिवस की कक्षाओं के दौरान आरंभिक 30 दिवस हिंदी पर फोकस किये गए तथा हस्ताक्षर करना भी सिखाया गया.शेष दिवसों में गणित पर अभ्यास करवाया गया. प्रत्येक पखवाड़े परीक्षाएं भी आयोजित की गयी.

ज्ञान चौपाली का संचालन:
45 दिवस की कक्षाएं पूर्ण करने के पश्चात प्रत्येक गाँव में एक ज्ञान चौपाली का गठन किया गया, जहाँ तीन समूहों की महिलाएं रोज़ शाम एक घंटा हिंदी और गणित का अभ्यास करने को एकत्र होती. यहाँ उन्हें अख़बार पढना भी सिखाया गया. इस दौरान गाँव के ही पटवारी, सरपंच, प्राचार्य, ANM, आशा तथा आंगनवाडी कार्यकर्त्ता को आमंत्रित करके अतिथि सत्रों का आयोजन भी किया गया. साथ ही "वित्तीय समझ" बढ़ने के उद्देश्य से जतन के विषय विशेषज्ञ भी साथ जुड़े.

कक्षाएं पूर्ण करके परीक्षा पास कर चुकी महिलाओं को पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रमाण पत्र वितरित किये गए. ज्ञान चौपाली के दो माह पूर्ण होने पर पंचायत की शिक्षा स्थायी समिति को ज्ञान चौपाली अनवरत चलाने की जिम्मेदारी दी गयी. स्कूली बच्चों के साथ संचालित बैच के पूर्ण होने पर उन्हें अगली कक्षा में प्रमोट करने की अनुशंसा की गयी.

सुरक्षित माहवारी अभियान

उगेर (*मेवाड़ी भाषा में इसका मतलब है, एक नयी शुरुआत*) माहवारी के मुद्दे पर चुप्पी को तोड़ने और इस मुद्दे पर लोगों में जागरूकता लाने के लिए चलाया जा रहा महिला सशक्तिकरण अभियान है. इसके तहत नियमित माहवारी प्रबंधन और माहवारी स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर अध्ययन और चेतना निर्माण जैसी गतिविधियों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है.

अब तक अलग अलग कार्यक्रमों के साथ जुड़ते हुए 12000 से अधिक किशोर- किशोरियों, युवाओं, महिलाओं और साथी संस्थाओं के क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को इस विषय पर जागरूकता सम्बन्धी गतिविधियों से जोड़ा गया.

किशोरावस्था में होने वाले बदलाव, माहवारी के बारे में खुलकर बात करना, इससे जुडी गलत धारणाओं को जानना और उसे दूर करना, माहवारी प्रबंधन के उचित उपाय और स्वास्थ्य, पर्यावरण अनुकूल और जिम्मेदारी पूर्ण व्यवहारों पर विचार कर समझ विकसित करने सम्बन्धी कार्य किये गए.

गत वर्ष की ही तरह कच्ची बस्ती की एवं ग्रामीण महिलाओं के साथ उनके समूह बनाकर उन्हें प्रशिक्षण तथा सहयोग देकर; सूती, पर्यावरण अनुकूल और पुनः इस्तेमाल किये जा सकने वाले सेनेटरी पेड उगेर के निर्माण का प्रशिक्षण देना रहा. स्वास्थ्य पर्यावरण अनुकूल और माहवारी प्रबंधन के बेहतर सतत विकल्प के लिए बनाये जा रहे इस पेड को जतन द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि बाज़ार में मिलने वाले डिस्पोजल सेनेटरी पेड से होने वाले आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य सम्बन्धी हानियों के प्रति समुदाय को जागृत किया जा सके.

UGER

"सूती कपड़ों से बने पुनः इस्तेमाल योग्य उगेर पैड्स इतनी बड़ी सामाजिक क्रांति का हिस्सा बने है, यह हमारी टीम के लिए गौरव की बात है. है.

उगेर से जुडी बहनें देश के अलग अलग हिस्सों में महिलाओं और किशोरियों को प्रशिक्षण देने जाती है तो उनके व्यक्तित्व का दूसरा अनछुआ पहलू देखने को मिलता है.

- संतोष कुमावत (प्रभारी- उगेर)

उत्तराखण्ड से तमिलनाडु तक

सुरक्षित माहवारी अभियान

"सुरक्षित माहवारी अभियान" के तहत अलग अलग साथी संस्थाओं के साथ मिलकर जतन द्वारा इस वर्ष बिहार, झारखण्ड, दिल्ली, उत्तराखंड, तमिलनाडू, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान सहित अन्य कई स्थानों पर प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गयी. बिहार, झारखण्ड और महाराष्ट्र की राज्य सरकारों के साथ मिलकर उगेर ने इस वर्ष एक नयी पहल की. इस दौरान किशोर- किशोरियों को जहाँ किशोरावस्था में बदलाव के साथ माहवारी प्रबंधन से जुडी जानकारियां साझा की गयी, वहीँ महिलाओं और युवतियों को उगेर पेड निर्माण भी सिखाया गया. इस के पीछे मुख्य उद्देश्य स्वयं के लिए पेड निर्माण के साथ साथ सामाजिक जागरूकता भी था.

मुंबई महानगर पालिका के सहयोग से इस वर्ष मुंबई की 12 अलग अलग झुग्गी बस्तियों में महिला समूहों के साथ माहवारी प्रबंधन पर कार्यशालाएं आयोजित की गयी. आगा खान फाउंडेशन के साथ मिलकर फ़रवरी में निजामुद्दीन कच्ची बस्ती क्षेत्र (दिल्ली) में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ छह दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया. UNFPA के सहयोग से गया (बिहार) के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के किशोर किशोरियों के साथ भी माहवारी प्रबंधन और किशोरावस्था में बदलाव विषयों पर कार्यशाला आयोजित की गयी. प्लान इंडिया के साथ मिलकर बीकानेर, भरतपुर और जोधपुर के अलग अलग क्षेत्रों तथा कस्तूरबा बालिका आवासीय विद्यालयों में प्रशिक्षण आयोजित किये गए. स्पार्क मिंडा फाउंडेशन CSR कार्यक्रम के तहत पुणे, चेन्नई तथा पंतनगर में महिला समूहों तथा किशोरी समूहों के साथ दो चरणों में प्रजनन स्वास्थ्य एवं पेड निर्माण पर प्रशिक्षण आयोजित किये.

देश के अलग अलग क्षेत्रों में समान विषय पर बन रहे संगठनों तथा सोश्यल मीडिया समूहों में उगेर को एक अलग और विशेष पहचान मिली है. ऑनलाइन फोरम "Sustainable Menstruation in India" से जुड़ने के पश्चात इस वर्ष जतन अन्य कई समूहों का हिस्सा बना. इस वर्ष प्रमुख उपलब्धि के तौर पर अलग अलग राज्यों में जतन द्वारा इस विषय पर महिलाओं और किशोरियों का प्रशिक्षण करना रहा.

लगातार तीसरे साल इस वर्ष भी विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस (28 मई) जागरूकता अभियान के साथ मनाया गया. इस अवसर पर ग्रामीण और कच्ची बस्ती की महिलाओं के साथ संगोष्ठी आयोजित की गयी.

उगेर उत्पादों ने इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में भी अपनी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज करवाई और भारत के बाहर यूरोप, कनाडा, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका में ख़रीदा गया.

इस वर्ष कुल 3000 से अधिक पेड का विक्रय समूह द्वारा किया गया तथा करीब 5000 से अधिक महिलाओं तक पहुँच बनाई.

उगेर ऑनलाइन

उगेर पैड्स की देश में बढती डिमांड को देखते हुए इसे कई वेबसाईट पर भी बिक्री के लिए जारी किया गया है, जहाँ से इन्हें ख़रीदा जा सकता है. ये वेबसाइट हैं: craftsvilla.com, ebay.in, ebay.com, etsy.com, iamgreen.in, storeenvy.com. इसके अतिरिक्त उगेर पैड्स जतन की वेबसाईट पर भी आर्डर किये जा सकते हैं.

बेटियों की बातें

घटते शिशु लिंगानुपात के विरुद्ध मुहिम

राजसमन्द तथा उदयपुर जिले में बेटियों के सम्मानित जीवन को पुनर्स्थापित करने तथा गिरते शिशु लिंगानुपात को नियंत्रित करने के उद्देश्य से "बेटियों की बातें" कार्यक्रम जतन द्वारा चलाया जा रहा है. इसके तहत ग्राम स्तर पर कार्य कर रहे पंचायत जन-प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय, स्वास्थ्यकर्मियों, स्कूली बच्चों तथा किशोर किशोरियों आदि के साथ चेतना निर्माण कार्यक्रम संचालित किये गए. जिला स्तर पर प्रशासन, शासन तथा चिकित्साकर्मियों के साथ अलग से पैरवी करते हुए इस विषय पर संवाद स्थापित किया गया. विशेष बात यह रही कि इस कार्यक्रम को बिना किसी बाहरी वित्तीय सहायता के संचालित किया गया. उल्लेखनीय है कि राजसमन्द जिले का शिशु लिंगानुपात (2011) 891 है, जो राज्य में सबसे कम बाल लिंगानुपात वाले जिलों में से एक है.

सृष्टिदायिनी सम्मान: इस वर्ष 56 दम्पत्तियों सृष्टिदायिनी सम्मान प्रदान किया गया. अब तक 600 से अधिक दम्पत्तियों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है. वे दंपत्ति, जो एक अथवा दो बेटियों के माता-पिता है और अब संतान नहीं चाहते, उन्हें यह सम्मान दिया जाता है.. इस प्रमाण पत्र में जिला कलक्टर एवं जतन निदेशक हस्ताक्षरित प्रशस्ति पत्र होता है.

गोद भराई रस्म: आशाओं तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा चिन्हित गर्भवती महिलाओं को वर्ष में दो बार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अथवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आमंत्रित करके उनके साथ यह सामाजिक रस्म निभाई जाती है.इस दौरान गर्भवती महिलाओं को यह अहसास करवाया जाता है कि उनका गर्भस्थ शिशु, चाहे बालक हो या बालिका, उस पर पहला हक उसका है.

सामूहिक एजेंडा में स्थान: जतन द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रत्येक सार्वजनिक बैठक अथवा कार्यशाला में बेटियों की बातें विषय के लिए समय निर्धारित किया गया है. इस वर्ष इस विषय पर चर्चा करने सहित बेटियों के सम्मानित जीवन को पुनर्स्थापित करने से सम्बंधित मसलों पर सार्थक चर्चा आयोजित की गई.

उम्मीद

परिवार परामर्श केंद्र

महिलाओं के साथ होने वाली शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं यौनिक हिंसा की रोकथाम के लिए जतन संस्थान राजसमन्द जिले में लगातार सजगता पूर्वक कार्य करते हुए विभिन्न मुद्दे समय समय पर उठाती रही है. इस वर्ष भी "उम्मीद: परिवार परामर्श केंद्र" द्वारा राजसमन्द और रेलमगरा में महिलाओं को लगातार परामर्श एवं सहायता प्रदान की गयी. मार्च 2016 तक 1600 से अधिक महिलाओं तक परामर्श एवं कानूनी सहायता के लिए केंद्र की भूमिका सराहनीय रही.

केंद्र का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके संवैधानिक और कानूनी अधिकारों की जानकारी देना, परामर्श और कानूनी सहायता प्रदान करवाना और उनके आत्मसम्मान की पुनर्स्थापना करना है.

इस वर्ष केंद्र पर सर्वाधिक मामले घरेलू प्रताड़ना, विवाह विच्छेद के लिए प्रताड़ना, मानसिक उत्पीडन, भरण पोषण, डायन कहकर प्रताड़ना, दहेज़ मांगने आदि रहे.

केंद्र में दर्ज दो मामले इस वर्ष काफी सुर्ख़ियों में रहे. एक मामले में किशोरी के साथ छेड़छाड़ मामले में स्वयं एक पुलिसकर्मी ही आरोपी निकला. इस मामले को दर्ज करने के साथ ही केंद्र द्वारा लगातार ग्राम बैठकें आयोजित कर पुलिस विभाग पर दबाव बनाया और आरोपी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार करवाया.

महिला को डायन बता कर हत्या के बहुचर्चित ओड़ा (रेलमगरा) के मामले में जतन और केंद्र ने साथ मिलकर कैंडल मार्च आयोजित करके पूरे समुदाय को आरोपी पक्ष के विरुद्ध खड़ा किया. इस दौरान लगातार एक पखवाड़े तक जागरूकता अभियान चलाया.

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के खिलाफ अभियान:

फ़रवरी माह में रेलमगरा की दस पंचायतों में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के विरोध में जन जागरूकता अभियान चलाया गया. इस दौरान चेतना रथ के द्वारा प्रदर्शनी, रैली, पोस्टर, नारा लेखन, मुक्कद चर्चा आदि गतिविधियों के द्वारा जागरूकता बनाने की सार्थक कोशिश की गयी. इस दौरान महिला जनप्रतिनिधियों के साथ भी लगातार बैठकें आयोजित की गयी.

बच्चों के साथ

अपना जतन केंद्र

उदयपुर कच्ची बस्ती क्षेत्र में बच्चों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ समाज की मुख्य धारा में लाने की सफल कोशिश

उड़ान

रेलमगरा में शिक्षा एवं समेकित विकास के लिए चयनित बच्चों के साथ पिछले 06 वर्षों से लगातार काम

चाइल्डलाइन की शुरुआत

1098 चाइल्डलाइन की राजसमन्द जिले में शुरुआत; राष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ी जतन

अपना जतन केंद्र

उदयपुर की नीमच माता कच्ची बस्ती (देवाली) क्षेत्र में अक्तूबर 2010 से संचालित अपना जतन केंद्र बच्चों का प्रमुख सीखने-सिखाने का केंद्र हैं. यह केंद्र न केवल शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में सामने आया है बल्कि स्कूल में जाने वाले बच्चों के लिए "शिक्षा में सहयोग" के रूप में भी इसकी व्यापक पहचान बनी है.
इस वर्ष बच्चों की बढती संख्या को देखते हुए सितम्बर में केंद्र का विस्तार किया गया और एक अन्य भवन किराये पर लिया गया और बच्चों को उनके पढाई के स्तर के अनुसार अलग अलग शिफ्ट किया गया. इस वर्ष तक अपना जतन से कुल 1250 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए है.

सामाजिक मानचित्रण: इस वर्ष एक बार पुनः सामाजिक मानचित्रण करते हुए पहाड़ी क्षेत्र की कच्ची बस्ती के वंचित बच्चों को केंद्र से जोड़ने के प्रयास किये गए. फलस्वरूप इस वर्ष कुल बच्चों की संख्या बढ़कर 67 हो गयी. इस दौरान नजरी नक्शा का निर्माण करते हुए डोर टू डोर परिवारों का सर्वे किया गया.

पालनाघर: कच्ची बस्ती की कामकाजी महिलाओं के कुल 13 बच्चे (0-5 वर्ष) वर्तमान में पालनाघर से जुड़े है. शाला पूर्व शिक्षा, स्वच्छता, पोषण आदि के लिए अपना जतन इन बच्चों के साथ सार्थक प्रयास कर रहा है. अब तक कुल 86 बच्चें पालनाघर से लाभान्वित हो चुके है, जिनमे से 32 बच्चों को स्कूलों में भर्ती करवाया जा चुका है.

Day care and preschool education	**13**
Alternative education classes for school dropouts	**08**
Nutritional support for children (0-14)	**26**
Education support	**45**
Total children registered in the year *(new)*	**30**
Enrolled out of school children in mainstream since 2010	**111**

मील के पत्थर

बूढी आँखों में नन्हे सपने !

पप्पू (07 साल) के माता पिता नहीं है. जैसे तैसे करके उसे उसके बूढ़े दादा पालते हैं. आर्थिक विपत्तियों के चलते पप्पू स्कूल नहीं जा पाया.

अपना जतन केंद्र से जुड़ने के बाद पप्पू को *"पालनहार योजना"* से जोड़ा गया तथा उसे अपना जतन केंद्र में भर्ती किया गया. उसे यहाँ न केवल शिक्षा और नए दोस्त मिले बल्कि दोपहर में फल और दूध भी मिलने लगा. अपना जतन केंद्र से जुड़कर पप्पू के साथ साथ उसके बूढ़े दादा "नगजी" भी फूले नहीं समाते. कहते हैं, जब तक पप्पू दसवी पास नहीं हो जाता, यमराज भी उन्हें नहीं ले जा सकता"

पोषण के लिए प्रयास: अस्कुलित और ड्रॉपआउट बच्चों एवं किशोर- किशोरियों के लिए दोपहर के भोजन तथा वैकल्पिक पोष्य पदार्थों का वितरण इस वर्ष भी सतत रहा. सप्ताह में अलग अलग दिवस रंग के अनुसार पोषक थाली डिजाइन करके बच्चों को दूध, केला, खिचड़ी, दलिया, मौसमी फलों का रस, सूखे मेवे, मूंगफली, गुड आदि का वितरण किया जाता है. वर्तमान में रोज़ 26 बच्चे और किशोर किशोरियां इसका लाभ ले रहे हैं.

वार्षिकोत्सव का आयोजन: जून मध्य में आयोजित वार्षिकोत्सव में बच्चों के परिजनों, स्थानीय मुहल्लावासी और जनप्रतिनिधि जुड़े. इस औरन प्रशिक्षु छात्रों द्वारा तैयार सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ साथ 'समर कैंप' में अर्जित ज्ञान को बच्चों ने सभी के सामने रखा.

अन्य : प्रति माह बच्चों को उदयपुर एवं आस-पास के दर्शनीय पर्यटन स्थलों का भ्रमण करवाया गया. इस दौरान बच्चों को प्रताप गौरव केंद्र, सज्जनगढ़ बायलोजिकल पार्क, शिल्पग्राम, फिल्म फेस्टिवल, हल्दीघाटी आदि स्थलों पर भ्रमण करवाया गया. इसके अतिरिक्त केंद्र पर आये विभिन्न देशों के मेहमानों तथा प्रशिक्षु छात्रों ने बच्चों के साथ विविध गतिविधियाँ आयोजित की.

मासिक स्कूल विजिट तथा अभिभावक बैठकों में बच्चों की प्रगति रिपोर्ट शेयर की गयी. समुदाय बैठकों में बच्चों को स्कूलों से पुनः जोड़ने तथा उनके सम्पूर्ण विकास, स्वास्थ्य एवं पोषण-स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया.

चाइल्डलाइन की शुरुआत

बच्चों को आपात परिस्थितियों में तत्काल सहायता पहुँचाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर संचालित चाइल्ड लाइन 1098 हेल्प लाइन का पदार्पण मार्च में राजसमन्द में हुआ.

भारत सरकार और चाइल्डलाइन के द्वारा 24x7 संचालित इस नि:शुल्क फोन सेवा को राजसमन्द में संचालित करने के लिए जतन के साथ करार किया गया. यह सुविधा न केवल बच्चों से सम्बंधित फोन अटेंड करके उनके समाधान के लिए प्रयास करती है बल्कि संकट में फंसे बच्चे को रेस्क्यू करने, जिला बाल कल्याण समिति और पुलिस-प्रशासन के सहयोग से उसके बेहतर भविष्य के प्रयास करने तथा जागरूकता निर्माण के लिए भी कार्य करती है.

अगले वर्ष से यह सेवा राजसमन्द जिले में न केवल 24 घंटे उपलब्ध होगी, अपितु हर समय बच्चों से जुडी समस्याओं के समाधान के लिए भी तत्पर होगी. इसके लिए 08 सदस्यीय टीम राजसमन्द में चयनित की गयी.

उड़ान
शिक्षा से बदलती जिंदगानियां

रेलमगरा की 06 बच्चियों को जतन द्वारा वर्ष 2011 में शिक्षा प्रदान करने के लिए गोद लिया गया. ये वे बच्चियां थी, जिनके परिवारजन विविध कारणों से उन्हें भविष्य में उच्च शिक्षा दिलाने के पक्ष में नहीं थे. परिवार जनों के साथ लगातार लम्बी समझाइश के दौर के बाद वे अपनी बेटियों को शिक्षा के लिए जतन को गोद देने को राज़ी हो गए. वर्तमान में जॉन डियर फाउंडेशन के सहयोग से सभी बच्चियां न केवल अच्छी शिक्षा प्राप्त कर रही है, बल्कि दो किशोरियां रेलमगरा से राजसमन्द जाकर उच्च शिक्षा भी प्राप्त कर रही है.

कोचिंग: सभी 06 बच्चियों की प्रतिदिन विषयवार कोचिंग कक्षाएं स्कूल से आने के पश्चात जतन परिसर में आयोजित की गयी. सप्ताह के पांच दिवस आयोजित इन कोचिंग कक्षाओं में अलग अलग विषय-विशेषज्ञों की सहायता ली गयी.

स्वास्थ्य एवं पोषण: सभी बच्चियों को नित्य दोपहर में गुड- चना, मौसमी फल एवं ज्यूस आदि दिए गए, ताकि हीमोग्लोबीन स्तर उचित रहे तथा वे सामग्री जो बच्चियों को घर पर उपलब्ध न हो, उसकी पूर्ति की जा सके. बच्चियों का नियमित त्रेमासिक स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाया गया. इस दौरान रक्त जांच एवं वृद्धि जाँची गयी. वार्षिक एक बार फुल-बॉडी चेकअप भी करवाया गया. बच्चियों में उत्तरोत्तर स्वास्थ्य स्तर में वृद्धि देखी गयी.

करियर उपयोगी सलाह: किशोरियों को करियर से जुडी सलाह, विभिन्न क्षेत्रों में सफल महिलाओं से मुलाकात आदि गतिविधियों द्वारा करियर निर्धारण के लिए सलाह दी गयी.

समग्र विकास: आर्ट एवं क्राफ्ट, स्पोकन इंग्लिश, सामान्य ज्ञान, साप्ताहिक खेल दिवस, साप्ताहिक मूवी शो आदि का आयोजन तय प्लान अनुसार किया गया.

त्रेमासिक सांस्कृतिक भ्रमण के दौरान बच्चियों को शिल्पग्राम उत्सव, उदयपुर; चितौडगढ़ किला, उदयपुर के महल, राजसमन्द मुख्य चिकित्सालय, नगरपालिका कार्यालय, कलक्ट्रेट आदि का भ्रमण करवाया गया. इस दौरान बच्चियों ने उच्च पदों पर आसीन महिला अधिकारियों से भी मिलवाया गया.

मील के पत्थर

चार्टड अकाउंटेंट बनकर जतन का नाम रोशन करुँगी

सुनीता कुमावत (19 वर्ष) रोज़ रेलमगरा से 30 किलोमीटर दूर राजसमन्द पढने जाती है. आत्मविश्वास इतना कि अकेले रोज़ बस में सफ़र करती है.

कहती है, तब परिवार वाले पढाई छुडवाकर ससुराल भेजने की बात करते थे और अब कहते हैं, पढ़-लिखकर असफर बनो. मैंने कोमर्स विषय लिया है और मैं सीए बनना चाहती हूँ.

अन्य

जीवा

सकरावास पंचायत में कृषि, शिक्षा एवं सामुदायिक संनिर्माण पर सघन कार्य से कृषकों का सुधरा जीवन स्तर; ग्राम विकास में समुदाय की सहभागिता बढ़ी

इंटर्नशिप कार्यक्रम

देशी विदेशी प्रशिक्षुओं एवं स्वयंसेवकों के नए आइडिया'ज़ से कार्यक्षेत्र में बदलाव की पहल

अन्य विशेष

महिला और किशोरी मेलों के साथ राष्ट्रीय- अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में जतन की भागीदारी

प्रकाशन

सूचना, शिक्षा व संचार सामग्री प्रकाशन एवं प्रसार

जीवा
जॉइंट इनिशेटीव फॉर विलेज एडवांसमेंट

रेलमगरा की सकरावास पंचायत आज पूरे जिले में आदर्श पंचायत के तौर पर उभर कर आई है, जहाँ सामुदायिक सहयोग से कृषि, डेयरी, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित हुए हैं. सकरावास में उगी नकदी फसलें आज न केवल राजसमन्द बल्कि उदयपुर के रास्ते अन्य राज्यों में निर्यात की जा रही है. पिक्सेरा ग्लोबल, जॉन डियर फाउंडेशन और जतन संस्थान के संयुक्त प्रयासों से सकरावास में आज शैक्षिक और आर्थिक परिदृश्य का नया स्वरुप सामने आया है.

कृषि एवं आय सुरक्षा: फ़रवरी 2016 तक जीवा परियोजना के तहत 106 किसानों के साथ कार्य को विस्तार दिया गया. मृदा जांच के बाद जैविक खाद तथा जैविक कीटनाशक को बढ़ावा दिया गया. अन्य राज्यों में किसानों को शैक्षणिक भ्रमण (एक्सपोजर विजिट) द्वारा परंपरागत खेती के साथ साथ नकदी फसलों की और भी मोड़ा गया, जिसके फलस्वरूप अनार, पपीता, एप्पल बेर, जमीकंद आदि की रिकॉर्ड खेती की गयी. डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दुधारू पशुओं की देखभाल और समय समय पर जांच सहित प्रजनन पर भी फोकस किया गया.

अंतिम तिमाही की रिपोर्ट के अनुसार किसानों ने इस वर्ष कृषि और डेयरी में 1,59,500 का निवेश किया गया और किसानों की कुल आय 1,69,09,000 रुपये रही जो अब तक की सर्वाधिक थी.

इस वर्ष कपास की खेती को बढ़ावा देने के साथ साथ तुलसी के पौधे लगवाने के लिए डेमोस्ट्रेशन किया गया. 35.59 बीघा खेतों पर ड्रिप आधारित सिंचाई (drip irrigation) का विस्तार हुआ. अन्य क्षेत्रों से आये कृषकों ने यहाँ आकर ड्रिप सिंचाई, अनार की खेती और प्राकृतिक कीटनाशक बनाने का तरीका भी समझा.

वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन और उपयोग इस वर्ष 16.7% बढ़ा और 15 नए वर्मी कम्पोस्ट पिट तैयार किये गए.

पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन: इस वर्ष कुल 03 पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किये गये, जिनमे कुल 2000 से अधिक दुधारू पशुओं की स्वास्थ्य जांच की गयी.

तकनीकी सन्दर्भ केंद्र: इस वर्ष भी किसानों ने कृषक सहायता केंद्र और तकनीकी संदर्भ केंद्र की सहायता से उन्नत कृषि के गुर सीखे तथा सहायक उपकरणों को किराये पर लिया गया.

किसान दिवस का आयोजन: 24 दिसंबर को राष्ट्रीय किसान दिवस के मौके पर तीनों चयनित गांवों; सकरावास, मोर्रा एवं मदारा में कार्यक्रम आयोजित किये गए. इस दौरान तकरीबन 771 किसानों ने सहभागिता निभाई.

Yield of different crops in demo and control plots during Kharif 2015

Crop	Yield (Kg/bigha)		Increase in demo plot over control
	Demo plots	Control	
Cotton	430	363	18.5%
Maize	403	278	45.0%
Sorghum	258	175	47.4%

Main activities that farmers have invested in this year

Main purpose	Activity	No. of farmers
Irrigation related	Bore wells	13
	Well deepening/ repairing	13
	Drip irrigation	11
	Pipeline from bore well near river to the farm	9
Crop Protection related	Boundary wall of the farm	4
	Fencing of the farm	45
Milk cattle and related	Purchas of Buffalo/cow for milk	9
	Cattle shed	1
Intensive cropping	Poly-house	1

शिक्षा सन्दर्भ केंद्र : वर्तमान में तीनों गांवों में कुल 04 शिक्षा सन्दर्भ केन्द्रों का संचालन जारी है, जिनमें स्कूली शिक्षा से वंचित बच्चे और किशोर-किशोरियां नामांकित है. इस वर्ष शिक्षा सन्दर्भ केन्द्रों में नामांकन अपेक्षाकृत घटा क्योंकि बड़े स्तर पर बच्चों ने पुनः स्कूलों में प्रवेश लिया. इस वर्ष अनुमानित नामांकन 505 रहा, जिनमे लड़कियों का प्रतिशत 51.1% था. केन्द्रों पर बच्चों क अनुमानित उपस्थिति 82.9% रही. केन्द्रों पर जतन की तरफ से मासिक जीवन कौशल शिक्षा सत्र भी आयोजित किये गए.

स्कूल प्रबंधन समिति: इस वर्ष सभी 03 विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों के साथ क्षमता वर्धन कार्यशालाएं आयोजित की गयी. इसमें सभी 65 सदस्यों ने सहभागिता निभाई. इस वर्ष हुए चुनावों में निर्वाचित पदाधिकारियों को सरपंच द्वारा शपथ दिलवाई गयी. "मेरे सपनों का विद्यालय" पर आयोजित संवाद में समिति सदस्यों ने अपने विचार रखे.

उल्लेखनीय है कि सकरावास पंचायत में नियमित आयोजित होने वाली मासिक SMC बैठकों का ही प्रभाव है कि बच्चों के शैक्षिक स्तर में काफी सुधार देखा जा रहा है.

छात्र संसद: छात्र संसद के विधिवत चुनावों के बाद आयोजित बैठकों में औसत उपस्थिति 14.1 रही. संसद द्वारा पारित अनुशंषाओं के आधार पर ही सकरावास और मदारा में पुस्तकालयों का विस्तार किया गया तथा भोजन हॉल का निर्माण तीनों गांवों में करवाया गया.

अभिभावकों तक पहुँच: शिक्षा सन्दर्भ केन्द्रों पर इस वर्ष कुल 24 अभिभावक बैठकों का आयोजन किया गया. 368 अभिभावकों ने बैठकों में हिस्सा लिया.

बाल दिवस एवं विज्ञान मेलों का आयोजन: वृहद् स्तर पर आयोजित बाल मेले में 1288 बच्चों ने सहभागिता निभाई. इस दौरान रोचक ज्ञानवर्धक खेलों, सामान्य ज्ञान के साथ साथ गणित और विज्ञान से जुडी 39 स्टाल सजाई गयी. मेले में अभिभावकों सहित शिक्षा सन्दर्भ केन्द्रों (ERC) के शिक्षकों ने सभी व्यवस्थाएं संभाली. मेले में क्विज़, आशुभाषण, कविता, गीत आदि प्रतियोगिताएं आयोजित कर विजेताओं को सम्मानित किया गया. विज्ञान मेले में विज्ञान आधारित मॉडल सजाकर बच्चों ने पूरी पंचायत का ध्यान अपनी ओर खींचा.

परफोर्मेंस लेवल टेस्टिंग: अकादमिक स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से वर्ष में कुल 04 बार शिक्षा सन्दर्भ केन्द्रों के सभी बच्चों का शैक्षणिक स्तर जांचा गया. तिमाही स्तर पर आयोजित हुए इस अध्ययन में बच्चों ने अपना बेहतर दिया. बच्चों के स्त्र के आधार पर ही उन्हें अलग अलग वर्गों में विभाजित करके अगली तिमाही में उन पर मेहनत की गयी. माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के बच्चों के साथ जनवरी 2016 में प्री-बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करके सहयोग प्रदान किया गया.

Score of ERC children studying in different classes

Class	% of marks obtained in the test			
	>80%	61-80%	41-60%	<40%
1	9.3	13.0	33.3	44.4
2	9.7	27.4	40.3	22.6
3	32.7	25.0	23.1	19.2
4	25.0	31.3	18.8	25.0
5	35.4	27.1	14.6	22.9
6	21.2	24.2	27.3	27.3
7	24.0	34.0	8.0	34.0
8	26.5	35.3	23.5	14.7
9	25.0	50.0	25.0	0.0
10	50.0	27.3	18.2	4.5

छात्रवृति योजना: स्तर अनुसार बेहतर प्रदर्शन करने वाले बाचों को लगातार दूसरे वर्ष मासिक छात्रवृति प्रोत्साहन स्वरुप दी गयी. आखिरी तिमाही में कुल 51 छात्रों (33 लड़कियों सहित) को छात्रवृति प्रदान की गयी.

VHSNC प्रशिक्षण: ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता समिति के नव- मनोनीत सदस्यों के लिए इस वर्ष कुल चार प्रशिक्षण आयोजित किये गए.

इंटर्नशिप एवं वालंटियरशिप

जतन इंटर्नशिप एक ऐसा अवसर है, जो युवाओं के लिए आकर्षक करियर की राह को सुगम बनाता है. जतन में संचालित अलग अलग कार्यक्रमों से जुड़कर तथा विषय केन्द्रित शोध एवं सहयोग द्वारा स्वयंसेवकों तथा प्रशिक्षुओं को संस्थागत कार्य का व्यवहारिक अनुभव प्राप्त होता है. वर्ष 2015-16 में जतन संस्थान में देश-विदेश के विभिन्न संस्थानों से आये इन्टर्न्स ने विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर काम करते हुए अपनी समझ बनाई और अनुभव के साथ जतन परिवार का हिस्सा भी बने.

धीरुभाई अम्बानी इंजीनियरिंग कॉलेज, गांधीनगर से आये प्रशिक्षु छात्रों ने राजसमन्द क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे बाल-श्रमिकों पर एक महत्वपूर्ण शोध किया. जिला अधिकारियों तथा मीडिया के साथ एक दिवसीय जानकारी सम्प्रेषण बैठक में इस शोध को प्रस्तुत किया गया. नाथद्वारा मंदिर क्षेत्र में दर्शनार्थियों को कहानी सुनाकर गुज़ारा करने वाले बच्चों पर पहली बार कोई रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी थी.

खड बामनिया (रेलमगरा) में बन रहे हुनरघर में भवन संनिर्माण में सहयोग के लिए डेवलपिंग वर्ल्ड कनेक्शन, कनाडा से आये स्वयंसेवकों ने लगातार एक हफ्ते तक कार्य किया. टीम ने न केवल पछमता गाँव में बच्चों के लिए आधुनिक कंप्यूटर लैब तैयार की बल्कि अपरान्ह में रेलमगरा में चल रहे अलग अलग कायक्रमों से जुड़कर अपन अनुभव शेयर किया. इन स्वयंसेवकों ने छड्न्गाखेडी गाँव के माध्यमिक स्कूल को चाइल्ड फ्रेंडली बनाने में भी सहयोग किया.

आईआईएम, उदयपुर के छात्रों ने रूरल इमर्शन कार्यक्रम के तहत रेलमगरा, सहाडा और राजसमन्द ब्लाक में रहते हुए अलग अलग विषयों पर अपनी समझ स्थापित की. साथ ही एक अन्य कार्यक्रम के तहत ड्यूक यूनिवर्सिटी, अमेरिका के छात्रों के साथ जुड़ते हुए आईआईएम, उदयपुर के छात्रों ने ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल शोधन, स्वच्छता आदि पर भी कार्य किया.

प्रवाह (दिल्ली) के स्माइल इंटर्नशिप कार्यक्रम से जतन का जुड़ाव इसी वर्ष हुआ और पहले बैच में आये स्वयंसेवकों ने रेलमगरा में रहते हुए ग्रामीण विकास पर अपनी सोच को विस्तार दिया.

इसी के साथ उड़ान, अपना जतन केंद्र के बच्चों के साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी इंटर्न छात्रों का अपेक्षित सहयोग मिला. महिलाओं के प्रति हिंसा के विरुद्ध अभियान, कृषि विकास आदि में भी उल्लेखनीय सहयोग रहा.

सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्स पर हुई अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में जतन

अहमदाबाद में तीन दिवसीय इंटरनेश्नल कांफ्रेंस "एज्युकेशन एज अ ड्राइवर फॉर सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्स" में जतन द्वारा दक्षिणी राजस्थान में युवा प्रवास की स्थितियां और मातृत्व स्वास्थ्य पेपर प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित देशी विदेशी अतिथियों द्वारा सराहा गया.

11-13 जनवरी 2016 को अहमदाबाद स्थित CEE परिसर में आयोजित इस कांफ्रेंस का उद्घाटन राज्यपाल श्री ओमप्रकाश कोहली ने किया. इस अवसर पर देश विदेश से आये 200 से अधिक अतिथि मौजूद थे. पहले दिन से ही सभी 17 सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्स पर अलग अलग कक्षों में चर्चा और पेपर प्रस्तुतियों का दौर चला.

जतन की प्रस्तुति गोल नंबर 03 के अंतर्गत हुई, जहाँ अच्छे स्वास्थ्य के आयामों पर सार्थक चर्चा और पेपर प्रस्तुतियां हुई. जतन की ओर से ओम ने युवा प्रवास और प्रजनन स्वास्थ्य के खतरे विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत किया. इस दौरान कई देशों ने जतन के कार्यों को सराहा और प्रवास और मातृत्व स्वास्थ्य से सम्बंधित प्रश्न भी पूछे.

लगातार चौथे साल "फागुन"

राजसमन्द में जिला स्तर पर आयोजित होने वाले सालाना महिलाओं के अपने मेले "फागुन" का आयोजन लगातार चौथे साल पुरानी कलेक्ट्री प्रांगण में आयोजित किया गया. महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से आयोजित इस मेले की अध्यक्षता जिला कलक्टर डॉ. अर्चना सिंह ने की.

मेले में महिलाओं के लिए कई रोचक खेलों का आयोजन किया गया. इस दौरान साफा बांधो, एक मिनट शो, मटकी दौड़, मटकी फोड़, कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, अंधी दौड़, बोरी दौड़ आदि का आयोजन किया गया. महिलाओं ने इस दौरान कई चेतना गीत प्रस्तुत किये. स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपने स्टाल भी सजाये और जमकर बिक्री की.

इस से पूर्व महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से जेंडर पर समझ बनाने के उद्देश्य से एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया. इस में शहर की अन्य संस्थाओं ने भी सहभागिता निभाई.

उम्मीदों का सफ़र

लगातार दूसरे साल द हंगर प्रोजेक्ट, जयपुर के सहयोग से सहाड़ा (भीलवाड़ा) में किशोरी मेला "उम्मीदों का सफ़र" मनाया गया. मेले में 10 पंचायतों की 650 से अधिक किशोरियों ने सहभागिता निभाई.

बाल विवाह और जल्दी गर्भाधान के विरुद्ध आवाज़ उठाने वाली किशोरियों के सम्मान से आरम्भ हुए इस मेले में भविष्य में किशोरियों को विभिन्न अवसर उपलब्ध करवाना और सफल महिलाओं से उन्हें रूबरू करवाना था.

मेले में विभिन्न सामाजिक कुरीतियों पर आयोजित सांप-सीढ़ी खेल में किशोरियों ने भाग लिया और अलग अलग स्टाल पर जाकर जानकारियां प्राप्त की.

'ठालागिरी' कर स्कूल को बनाया चाइल्ड फ्रेंडली

विदेशी प्रशिक्षुओं के साथ मिलकर जतन ने सांसेरा (रेलमगरा, राजसमन्द) माध्यमिक विद्यालय को चाइल्ड फ्रेंडली बनाने का कार्य आरम्भ किया. स्वास्थ्य और स्वच्छता सम्बंधित अच्छी आदतों से शुरू हुआ सफ़र चयनित कक्षा कक्षों के रंग रोगन पर जाकर संपन्न हुआ. इस दौरान उदयपुर के युवाओं के दल "ठालागिरी" ने विदेशी प्रशिक्षुओं के साथ मिलकर कमरों को न केवल निखारा बल्कि बच्चों के साथ आर्ट और क्राफ्ट गतिविधियाँ भी आयोजित की. अंतिम दिन स्कूल प्रबंधन की तरफ से प्रशिक्षुओं और ठालागिरी सदस्यों का अभिनन्दन किया गया.

युगांडा में जतन

UNFPAद्वारा अफ्रीकी देश युगांडा की राजधानी कम्पाला में "प्रजनन स्वास्थ्य" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में जतन की सहभागिता रही. 15 देशों के आन्त्रप्रेन्योर्स ने प्रजनन स्वास्थ्य पर एक व्यापक समझ बनाने पर मंथन किया. इस कार्यशल में भारत का प्रतिनिधित्व चारु भाटी (जतन) और तेजराम जाट (UNFPA मध्यप्रदेश) ने किया.

कार्यशाला में एशियाई और अफ्रीकी देशों के आंत्रप्रेंयोर्स ने भागीदारी की.

मलेशिया में मध्यावधि समीक्षा

महिलाओं के स्वास्थ्य अधिकारों की पैरवी के संयुक्त गठबंधन (WHRAP) की मध्यावधि समीक्षा एवं प्रबंधन बैठक ARROW के मार्गदर्शन और चेतना अहमदाबाद के निर्देशन में कुवालालम्पुर, मलेशिया में अक्तूबर में आयोजित की गयी. जतन की ओर से इस बैठक में निदेशक डॉ. कैलाश बृजवासी ने सहभागिता निभाई.

इस दौरान गुजरात और राजस्थान राज्यों में सुरक्षित मातृत्व सुविधाओं और पोषण पर पैरवी को लेकर व्यापक रणनीति बनाई गयी. निदेशक डॉ. कैलाश बृजवासी के साथ चेतना की वरिष्ठ साथी वैद्य स्मिता बाजपेई भी थी.

प्रकाशन

माहवारी चक्र: जतन बोर्ड सदस्या लक्ष्मी मूर्ति द्वारा डिजाइन किये गए "माहवारी चक्र" से माहवारी को समझाने में काफी आसानी होती है. चित्र तथा सम्बंधित विवरण द्वारा चक्र माहवारी के सभी चरण समझाता है.

सीधी सच्ची बात: चित्रकथा सीधी सच्ची बात दो सहेलियों की कहानी है, जो प्रजनन स्वास्थ्य, माहवारी और उस से जुड़े उपायों एवं स्वच्छता पर चर्चा कर रही है. 44 पृष्ठीय इस पॉकेट नुमा पुस्तिका में माहवारी से जुडी तमाम जानकारियां उपलब्ध है.

भोजन तिरंगा: इस शीट में पोषक थाली में आवश्यक भोजन पदार्थों को तिरंगे के अनुसार समझाया गया है.

बच्चों की सामान्य बीमारियाँ: "चौपड़" शैली में निर्मित शिक्षण सहयोग सामग्री में बच्चों को होने वाली सामान्य बीमारियों के लक्षण, प्रकार, उपचार और बचाव के तरीके बड़े रोचक तरीके से चित्रात्मक तरीके से बताये गए हैं.

जैसे जैसे हम बढ़ते हैं: राजस्थान की प्रसिद्द "कावड़" शैली में बना यह फोल्डर किशोरावस्था में बदलाव एवं शारीरिक विकास को समझने में काफी सहायक है. फोल्डर के कवर पेज पर बने आदिवासी भित्ति चित्र लुभाते हैं.

उगेर पोटली: सूती कपडे से बने माहवारी पैड तथा पेंटी लाइनर की पोटली माहवारी प्रबंधन के दौरान कपडे के उचित उपयोग एवं रखरखाव को समझाने में सहायक है. पोटली में चित्र के माध्यम से पैड धोने और सुखाने का चित्रात्मक विवरण है.

जतन @ youtube

इस वर्ष जतन सन्दर्भ एवं प्रकाशन द्वारा वीडियो दस्तावेजीकरण के कार्य को और अधिक गति देते हुए युवाओं से जुड़े मुद्दों पर कुछ वृतचित्र एवं शोर्ट फिल्म्स का निर्माण कर उन्हें सोश्यल साईट यू ट्यूब पर प्रसारित किया गया. इन फिल्मों को ऑनलाइन दर्शकों का अच्छा रेस्पोंस मिल रहा है. यू ट्यूब पर <Jatan Movies> सर्च करके इन्हें देखा जा सकता है.

पत्रिकाएँ

आपकही

जतन की मासिक पत्रिका आपकही का प्रकाशन इस वर्ष से द्वेमासिक कर दिया गया. 14 पृष्ठीय बहुरंगी यह इ-पत्रिका सभी साथियों को इमेल द्वारा प्रेषित की जाती है. इस वर्ष आपकही के 07 अंक प्रकाशित किये गए, जिसकी प्रसार संख्या 1750 इमेल पते थे. इस प्रकार यह पत्रिका अनुमानितः 4000 से अधिक लोगों तक अपनी पहुँच बनाती है.

चहक

बहुरंगी आठ पृष्ठीय त्रेमासिक पत्रिका, जो पूरी तरह से किशोरियों से जुड़े विषयों पर आधारित है. UNFPA के सहयोग से प्रकाशित इस पत्रिका को मुख्यतः खेरवाड़ा में संचालित "*हिलोर*" कार्यक्रम के अनुसार डिजाइन किया गया है.

विषय विशेषज्ञ/ कार्यशालाएं

इस वर्ष जतन द्वारा विविध साथी संस्थाओं में प्रजनन स्वास्थ्य, पोषण, जीवन कौशल के विविध पक्षों, जेंडर असमानीकरण, पंचायतीराज त्रि-स्तरीय व्यवस्था, मातृत्व स्वास्थ्य एवं पोषण से जुडी आवश्यक सुविधाएं, युवाओं की चुनौतियाँ, महिलाओं के प्रति हिंसा, घटते शिशु लिंगानुपात आदि विषयों पर अन्य संस्थाओं में विषय आधारित सत्र लिए गए. सेवा मंदिर, आइआइएम-उदयपुर, महिला एवं स्वास्थ्य विभाग, डाईट-राजसमन्द एवं उदयपुर, प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय, नेहरु युवा संगठन- जयपुर आदि को जतन द्वारा इस वर्ष विषय आधारित संदर्भ प्रदान किया गया.

Appendix

Volunteers and Interns

Staff and Committees

Partners in change

Financial report

Jatan in news

Volunteers and Interns

IIT Delhi	Mohit Pahuja, Sarwar Hussain, Sakshi Babel, Sugam
IIM Udaipur	Abhijeet Deshmukh, Bhole Gunjan, Debostuti Das, K Chandra Sekhar, Soni Minit, Ashwin Bhandare, Chiranjeev Hazarika, Pednekar Sagar Sharad, Sonakshi Chopra, Udit Agarwal, Bhopale Akshay, N Uday Kiran, Noufal C P, Reema Khurana, Swapnil Verma, Amit Kumar Bhagat, Ankit Jaiswal, Hemant Chandak, Shahida Khan, Siddarth Bhargava, A.V.Satish, Amit Hanspal, Gaurav Sharma, Joohi Sinha, Mukesh Kumar Regar, Danish Hakim,
IRMA, Anand	Hiren Borkhatariya, Siddharth Uprit, Syam Mohan
Duke University, USA	Danielle Kwon, Tara Marie
Libera University, Milano, Italy	Guilia Bosis
DA-IICT, Gandhinagar, Gujarat	Shivanjali Meena, Nandini Nerurkar, Gamita Banaphal, Drashti Bharti, Archana Bhusara
Smile In-Turn-Ship Programme by Pravah, Delhi	Bipasha Bhattacharya, Tarun Gupta, Payal Gotwal, Sugam Singla, Anoosh Kotak, Mohit Saluja, Ranjeet, Ahmed, Naushad, Anushri, Bipasha Bhattachaya, Tarun Gupta, Payal Gotwal,
Our Own English High School, Sharjah, UAE	Zainab Udaipurwala
FSD (Foundation for sustainable development)	Jazmin Maya, Kamila Muhammad, Vivien Hastings, Jematia Chepyajor
Nirma Instituite, Gandhinagar	Sanchi Pahuja

Staff Salaries and breakup

Slab of gross monthly salary plus benefits paid to staff (as on 31-03-2016)	Total staff
< 6000	31
6001-15000	50
15001-25000	05
25001-35000	03
35001- 50,000	03
Total	**92**

Staff Details

Gender	Paid full time
Female	39
Male	53
Total	**92**

Governing council

Lakshmi Murthy
Chair Person; Designer and Social Communicator
Vikalp Design, Udaipur

Dr. Kailash Brijwasi
Member Secretary and Executive Director
Jatan Sansthan, Rajsamand

Shrilal Garg
Ex District Education Officer (Rtd.),
Railmagra, Rajsamand

Goverdhan Singh Chouhan
Treasurer; Deputy Director,
Jatan Sansthan, Rajsamand

Ashwini Paliwal
Secretary,
Astha Sansthan, Udaipur

Govind Singh Gehlot
Faculty,
Vidhyabhawan, Udaipur

Mahesh Dadheech
Advocate,
Gangapur, Bhilwara

Rajesh Sharma
Program Officer,
NICE Foundation, Jodhpur

Sarita Jain
Expert on Women Empowerment,
Rajsamand

Ranveer Singh Shaktawat
Deputy Director,
Jatan Sansthan, Railmagra, Rajsamand

Sanjay Chittora
Coordinator,
Aajeevika Bureau, Udaipur

Shakuntala Vaishnav
Expert on Reproductive Health
Railmagra, Rajsamand

Dr. Gayatri Tiwari
Human Development & Family Studies,
Udaipur

Mukesh Kumar Sinha
Social Worker
Railmagra, Rajsamand

Dashrath Singh Dalawa
Educationist
Udaipur

Prakash Bhandari
Educationist
Udaipur

Advisory committee

Dr. Vallari Ramakrishnan
Gynaecologist,
Udaipur

Ankur Kachhwaha
Program Manager, Jatan Sansthan,
Udaipur

Vardhini Purohit
Ex-Sarpanch, Oda, Railmagra
Rajsamand

Vd. Smita Vajpai
Sr. Program Officer,
Chetna, Ahmedabad

Bhanwarlal Vaghrecha
President- Tulsi Sadhna Shikhar,
Rajsamand

Pushpa Karnawat
Social Worker,
Rajsamand

Hemu Rothore
Asst. Professor, College of Home Sc.,
Udaipur

Smriti Kedia
Consultant,
Udaipur

Ranveer Singh
Deputy Director,
Jatan Sansthan, Udaipur

Chhatrapal Singh
Deputy Director,
Jatan Sansthan, Udaipur

Sanjay Chittora
Program Coordinator,
Aajeevika Bureau, Udaipur

Sumitra Menaria
Field Supervisor,
Jatan Sansthan, Railmagra

Dr. Shashi Jain
Dean, College of Home Science,
Udaipur

Dr. Kailash Brijwasi
Director, Jatan Sansthan,
Udaipur

Lakshmi Murthy
Chair Person,
Jatan Sansthan, Rajsamand

Goverdhan Singh
Deputy Director,
Jatan Sansthan, Rajsamand

Pro. Asha Singhal
Rtd. Professor, College of Home Science,
Udaipur

Dr. Sarla Lakhawat
Asst. Professor
Ajmer

Mohd. Yusuf Khan
Civil Engineer
Udaipur

Avnish Nagar
Asst. Professor,
Udaipur School of Social Work, Udaipur

Manoj Dashora
Accountant,
Udaipur

Manju Khatik
Field Supervisor,
Jatan Sansthan, Rajsamand

Kanhaiyalal Jingar
Coordinator,
Jatan Sansthan, Rajsamand

Gangaram
Office Assistant,
Jatan Sansthan, Railmagra

BOARD MEETINGS

Date of Governing Body Meeting

(2015-2016)

March 05, 2016, Saturday

EXECUTIVE COMMITTEE MEETINGS

Date of Executive Committee Meetings

(2015-2016)

May 31, 2015

Aug 15, 2015

Oct 30, 2015

Dec 02, 2015

Mar 12, 2016

EXECUTIVES

President:
Lakshmi Murthy

Treasurer:
Goverdhan Singh Chouhan

Executive Director and Member Secretary:
Dr. Kailash Brijwasi

Executive Members:
Rajesh Sharma
Ranveer Singh
Mukesh Sinha
Ashwini Paliwal
Shakuntala Vaishnav
Sarita Jain
Prakash Bhandari
Govind Singh

Partners in change

Chetna
Ahmedabad

Childline 1098
Ministry of Women and child development,
Govt. of India

Development Alternatives
Delhi

Developing World Connections
Canada

Foundation of Sustainable Development, INDIA
Rajasthan

Gebeco Reison
Germany

Indo Asia Holiday
Gurgaon, NCR

Nehru Yuva Kendra Sangthan
Jaipur, Udaipur, Jhalawar

Pravah
New Delhi

Prayas
Chittorgarh

Pyxera Global
USA

Seva Mandir
Udaipur

Soft Choice
Canada

The Hunger Project
Jaipur

UNFPA
Delhi, Jaipur

UNICEF
Jaipur

Hindustan Zinc Limited
Udaipur

Women and Child Development Department
Govt. of Rajasthan, Jaipur/Udaipur

UN द्वारा जतन का आंतरिक सूक्ष्म मूल्यांकन

संयुक्त राष्ट्र (UN) द्वारा वित्तीय अंकेक्षण कम्पनी S.R. Dinodia & Co. LLP" द्वारा जनवरी 2016 में "आंतरिक सूक्ष्म मूल्यांकन" (Internal Micro Assessment) करवाया गया. इस मूल्यांकन का उद्देश्य संस्था के गवर्नेंस, वित्तीय प्रबंधन, मानव संसाधन, ऑडिट, पॉलिसी एवं प्रोसीजर आदि का आंतरिक मूल्यांकन कर उन्हें समझना था.

इस मूल्यांकन में जतन को "न्यूनतम रिस्क" (LOW RISK) रैंकिंग दी गयी. उल्लेखनीय है कि यह रैंकिंग भारत की गिनी चुनी संस्थाओं को ही मिल पाई है.

CHAPTER – 2
REVIEW OF FINANCIAL MANAGEMENT CAPACITY

Summary of Risks Related to the Financial Management Capacity of the Implementing Partner					
Tested subject area (see subsequent pages for details of each subject area summarized below)					
Implementing Partner	**:**	**"Jatan Sansthan"**		**Date of Visit:**	13th &14th January, 2015
		Total number of risk Point	**Total number of applicable questions**	**Overall risk assessment**	**Comments**
1.	Implementing Partner	5	5	1	Refer para 1
2.	Funds Flow	5	5	1	Refer para 2
3.	Staffing	10	10	1	Refer para 3
4.	Accounting Policies and Procedures	46	44	1	Refer para 4
5.	Internal Audit	7	5	1	Refer para 5
6.	External Audit	7	7	1	Refer para 6
7.	Reporting and Monitoring	8	8	1	Refer para 7
8.	Information Systems	5	5	1	Refer para 8
9.	Procurement:	43	29	1	Refer para 9
	Total	**136**	**118**	**1**	**Low**

S.D.BAYA & COMPANY
Chartered Accountants

448, MOKSHA MARG, SHASTRI CIRCLE,
UDAIPUR RAJASTHAN 313001
Ph. 9414157232

FORM NO. 10B

[See Rule 17B]

Audit Report under section 12A (b) of the Income-tax Act, 1961 in the case of charitable or religious trusts or institutions

I have examined the balance sheet of JATAN SANSTHAN AAATJ5544J [name and PAN of the trust or institution] as at 31/03/2016 and the Profit and loss account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the said trust or institution

I have obtained all the information and explanations which to the best of my knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit. In my opinion, proper books of account have been kept by the head office and the branches of the above-named trust visited by me so far as appears from my examination of the books, and proper Returns adequate for the purposes of audit have been received from branches not visited by me subject to the comments given below:

In my opinion and to the best of my information, and according to information given to me the said accounts give a true and fair view: -

i. in the case of the balance sheet of the state of affairs of the above-named trust as at 31/03/2016

ii. in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of its accounting year ending on 31/03/2016

The prescribed particulars are annexed hereto.

For S.D.BAYA & COMPANY
Chartered Accountants

(SHUBH DARSHAN BAYA)

Membership No: 076167

Place :UDAIPUR
Date : 25/07/2016

Jatan Sansthan

36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

BALANCE SHEET

AS AT MARCH 31ST, 2016

LIABILITIES		AMOUNT	ASSETS		AMOUNT
CAPITAL FUND:		60,45,300.88	**FIXED ASSETS**	Schedule- 1	72,61,637.00
- Opening Balance	58,96,799.68				
- Less: During the year	3,24,541.88		**Taxes / TDS:**		58,586.00
- Less: I&E Accounts	18,594.92		- TDS (FY 2013-2014)	32,836.00	
- Add: Capital assets purchased	4,91,638.00		- TDS (FY 2015-2016)	25,750.00	
Provisions	Schedule- 3	3,78,521.00			
Current Liabilities	Schedule- 5	34,96,016.16	Security deposit	Schedule- 7	1,76,320.00
Unspent Balance of Grant	Schedule- 2	20,35,562.83	Loan and Advance	Schedule- 4	14,24,125.00
			Grant Receivable	Schedule- 2	8,35,866.78
			CASH BALANCE	Schedule- 6	
			1 Cash in hand		18,542.33
			2 Cash at bank		21,60,323.76
TOTAL		119,55,400.87	TOTAL		119,55,400.87
					0.00

Notes on Accounts

The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167

Place: Udaipur (Raj.)
Date : 25th July 2016

S.D. Baya & Co. 446, Moksh Marg Shastri Circle Udaipur Chartered Accountants

For: Jatan Sansthan

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Jatan Sansthan

35, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT
FOR THE PERIOD ENDED 31-03-2016

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME		AMOUNT
PROGRAMME EXPENSES:				
1 Running of NFE and Balwadi Centre (Devali & Ramnagar, Udaipur) intends to cater to the development needs of children with focus on health	11,53,860.00	**Grant in aid: Gebeco Reisen, Germany**		
		- Opening unspent balance	30181	
		- Add: Grant during the year	11,20,073.22	
			11,50,254.22	
		- Add: Closing overspent balance	6,593.78	
		- Less: Capital assets purchased	1,988.00	11,53,860.00
2 Strengthening the Leadership of Women Representative in Local Village Councils- Gram Panchayats so as to address violence against women through the governance framework	21,11,575.00	**Grant in aid: The Hunger Project, New Delhi**		
		- Add: Grant during the year	21,16,701.00	
		- Less: Opening overspent balance	98,608.00	
		- Add: Closing overspent balance	96,232.00	
		- Less: Capital assets purchased	2,750.00	21,11,575.00
3 Women's Health and Rights Advocacy Partnership- ARROW-WHRAP	2,12,506.00	**Grant in aid: CHETNA, Ahmadabad**		
		- Opening unspent balance	57,164.00	
		- Add: Grant during the year	1,33,971.00	
			1,91,135.00	
		- Add: Closing overspent balance	21,371.00	2,12,506.00
4 Effective Communication towards Ensuring Social Accountability for Maternal Health- CDPPA SAMAH	1,47,457.00	**Grant in aid: CHETNA, Ahmadabad**		
		- Add: Grant during the year	1,35,092.00	
		- Less: Opening overspent balance	6,599.00	
		- Add: Closing overspent balance	18,964.00	1,47,457.00
5 Joint Initiative for Village Advancement Project (Field Level Activities)	157,92,953.04	**Grant in aid: Pyaara Global, USA**		
		- Opening unspent balance	9,16,097.00	
		- Add: Grant during the year	155,85,325.00	
		- Add: Bank interest	48,124.00	
			165,49,546.00	
		- Less: Closing unspent balance	7,36,996.96	
		- Less: Capital assets purchased	19,597.00	157,92,953.04
6 Joint Initiative for Village Advancement Project (Education Support Programme for 6 girls and Finance & Admin work)	27,93,009.00	**Grant in aid: Pyaara Global, USA**		
		- Opening unspent balance	3,26,007.66	
		- Add: Grant during the year	25,80,189.90	
			29,06,197.56	
		- Less: Closing unspent balance	1,12,583.56	
		- Less: Capital assets purchased	605.00	27,93,009.00
7 Improving Maternal Health Project	8,404.00	**Grant in aid: Prayas, Chittorgarh**		
		- Opening unspent balance	8,404.00	8,404.00
8 Volunteering programme on gender and social issues	90,528.00	**Grant in aid: Operational Groundswell, Canada**		
		- Grant during the year	2,06,837.00	
		- Less: Closing unspent balance	1,16,309.00	90,528.00
9 Strengthening Women's Political Leadership in Local Governance	1,51,840.00	**Grant in aid: The Hunger Project**		
		- Grant during the year	1,55,013.00	
		- Less: Opening overspent balance	3,173.00	
			1,51,840.00	1,51,840.00
10 Mahila Suraksha Evam Salah Kendra	0.00	**Grant in aid: Mahila Adhikarita Vibhag, GOR**		
		- Grant during the year	1,74,011.00	
		- Less: Opening overspent balance	2,44,078.00	
		- Add: Closing overspent balance	70,067.00	

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME		AMOUNT
11 Re-vitalizing & Re-energizing Teen Clubs Being Facilitated by NYKS in Udaipur and Jhalawar District of Rajasthan and Action for Adolescent Girls Project	190,53,146.00	**Grant in aid: UNFPA, Jaipur**		
		- Grant during the year	198,03,490.00	
		- Add: Bank interest received	56,289.00	
		- Less: Opening overspent balance	41,132.00	
		- Less: Closing unspent balance	3,45,019.00	
		- Less: Capital assets purchased	4,20,482.00	
			190,53,146.00	190,53,146.00
12 Tara Akshar + Project: An education programme for Children and Women	6,61,581.00	**Grant in aid: Society for Development Alternatives**		
		- Grant during the year	6,57,100.00	
		- Add: Closing overspent balance	4,481.00	
			6,61,581.00	6,61,581.00
13 Vedanta Bal Shakti Anganwadi Project (Strengthening the Anganwadi Centers)	58,834.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Ltd, Udaipur**		
		- Grant during the year	58,834	58,834.00
14 Internship and volunteer programme	4,00,226.00	- Grant during the year IIM Udaipur	1,57,600.00	
		- Grant during the year Interns/Volunteer	2,48,730.00	
		- Less: Capital assets purchased	6,104.00	
			4,00,226.00	4,00,226.00
15 Uger Programme (Safe Menstruation Campaign)	5,66,503.00	**Receipt by sale of Uger products & other donations**		
		- Receipt during the year	7,92,810.70	
		- Add: Opening unspent balance	40,535.00	
		- Less: Closing unspent balance	2,55,542.70	
		- Less: Capital assets purchased	11,300.00	
			5,66,503.00	5,66,503.00
ORGANIZATIONAL EXPENSES:		**ORGANIZATIONAL RECEIPTS:**		
- Bank charges	1,781.88	- Bank interest		1,88,457.00
- Institutional expenses	9,13,546.52	- Other income		7,27,276.40
		Excess of expenditure over income		18,594.50
	441,27,590.44		TOTAL	441,27,350.44

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167

For: Jatan Sansthan

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Govardhan Singh Chouhan)
Treasurer

Place: Udaipur (Raj.)
Date: 25th July 2016

Jatan Sansthan

36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT
FOR THE YEAR ENDED 31-03-2016

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
OPENING BALANCE		**PROGRAM RELATED PAYMENT:**	
1 Cash in hand	79,106.00	1 Running of NFE and Balwadi Centre (Dewal &	11,65,840.00
2 Cash at bank **Schedule-6**	21,40,337.19	Ramnagar, Udaipur) intends to cater to the	
		development needs of children with focus on health	
GRANT IN AID RECEIVED:		2 Strengthening the Leadership of Women	21,05,326.00
1 Gebeco Reisen, Germany	11,20,073.22	Representative in Local Village Councils- Gram	
2 The Hunger Project, New Delhi	22,73,714.00	Panchayats so as to address violence against	
3 CHETNA, Ahmedabad	2,89,063.00	women through the governance framework	
4 Pyxera Global, USA	181,65,514.90	3 Women's Health and Rights Advocacy Partnership-	2,12,506.00
5 Seva Mandir, Udaipur	20,000.00	ARROW-WHRAP	
6 Operational Groundswell, Canada	2,08,837.00	4 Effective Communication towards Ensuring Social	1,47,457.00
7 Mahila Adhikarita Vibhag, GOR, Jaipur	1,74,011.00	Accountability for Maternal Health- COPPA-SAMAN	
8 UNFPA, Jaipur	198,03,490.00		
9 Society for Development Alternatives Delhi	8,57,100.00	5 Joint Initiative for Village Advancement Project	158,12,550.04
10 HZL Udaipur (Raj.)	58,634.00	(Field Level Activities)	
11 Organizational other receipts	22,29,099.18	6 Joint Initiative for Village Advancement Project	27,57,010.00
		(Education Support Programme for 6 girls and	
OTHER RECEIPT DURING THE YEAR:		Finance & Admin work)	
1 Arjun Singh Rathore	220.00	7 Improving Maternal Health Project	8,404.00
2 Bhupen Kumar Sahu	4,650.00	8 Volunteering programme on gender and social	50,528.00
3 Chhatrapal Singh Chundawat	31,892.00	issues	
4 Ganga Ram Prajapat (For land advance)	1,96,580.00	9 Strengthening Women's Political Leadership in	1,51,940.50
5 Govardhan Singh Chouhan	19,234.00	Local Governance	
6 Jatan staff welfare	14,41,513.00	10 Mahila Suraksha Evam Salah Kendra	
7 JIVA Guest House Security	50,000.00	11 Re-vitalizing & Re-energizing Teen Clubs Being	191,63,445.00
8 JIVA Guest house security (Old)	50,000.00	Facilitated by NYKS in Udaipur and Jhalawar District	
9 JIVA Project assets insurance	3,825.00	of Rajasthan and Action for Adolescent Girls Project	
10 JIVA staff advance	30,900.00		
11 Kalpana Meena	1,442.00	12 Tara Akshar + Project: An education programme for	6,61,581.00
12 Kalu Singh Rajput	280.00	Children and Women	
13 Kanti Lal Meena	4,577.00	13 Vedanta Bal Shakti Anganwadi Project	58,634.00
14 Lalita Parmar	4,017.00	(Strengthening the Anganwadi Centers)	
15 M/s Multinet (Udaipur) Pvt. Ltd.	3,010.00	14 Internship and volunteer programme	4,06,330.00
16 M/s R.P. & R. Computers	5,050.00	15 Uger Programme (Safe Menstruation Campaign)	5,77,803.00
17 M/s Sethiya Printing Press	5,170.00	16 Organizational expenses	15,85,152.40
18 Maira Sanadhya	31.00		
19 Manju Rajput	16,498.00	**OTHER PAYMENT DURING THE YEAR**	
20 Mukesh Salvi	5,763.00	1 Abida Khan	2,294.00
21 Om Prakash Gayri	13,412.00	2 Ankur Kachhwaha	7,550.00
22 Pinki Khatik	2,821.00	3 Anuri Mehta	2,318.38
23 Preeti Sharma	1,180.00	4 Bhanwar Lal Dangi	7,000.00
24 Pushkar Lal Nayak	16,620.00	5 Charu Bhati	1,212.00
25 Rajkumar Meena	500.00	6 Chhavi Sharma	10,424.00
26 Ram Lal Meena	6,750.00	7 Chirag Menariya	854.00
27 Rama Shankar Baranda	4,525.00	8 Gajendra Salvi	2,710.00
28 Ratan Giri Goswami	15,000.00	9 Ganga Ram Prajapat	41,500.00
29 Reena Kumari	4,017.00	10 Gas Connection Security	1,600.00
30 Rekha Meena	713.00	11 ICICI Car loan	1,95,668.60
31 Sanjay Kumar Bhil	118.00	12 Jatan staff SHG Loan	44,500.00
32 Shakti Dangi	4.00	13 JIVA Guest house security (New)	25,400.00
33 Shri Sakal Digambar Jain Samaj	4,400.00	14 Kanhaiya Lal Jingar	3,602.00
34 Shyama Vaishnav	417.00	15 Krishna Baldev Singh Rao	2,994.00
35 Staff security deposit	2,67,682.00	16 Lalit Kumar Meghwal	465.00
36 Staff SHG contribution	54,929.00	17 Latika Vaishnav	3,182.00
37 Sumitra Meena	1,903.00	18 M/s Maa Shreya Devi Tent & Caters	13,790.00
38 Suresh Sharma	1,152.00	19 M/s S.D. Baya & Co. Udaipur	10,000.00
39 Vaishali Patel	6,390.00	20 M/s Tic Tack Toe	11,820.00
40 Virendra Singh Jhala	404.00	21 Madhu Lal Gadri Contractor	2,41,861.00
41 Yashoda Soni	36.00	22 Pawan Kumar Bansal	36,535.00
42 Yashwant Meena	4,017.00	23 Prakash Chandra Kothari	5,00,000.00
43 Yogesh Swarnkar	4,761.00	24 Programme & Administrative fund	11,23,895.36
		25 Rakhi Sharma	2,419.00
		26 Ramchandra	330.00
		27 Ranveer Singh Shaktawat	17,436.00
		28 Santosh Kumawat	1,800.00
		29 Tara Dadheech	4,761.00
		30 TDS FY 2015-16	25,750.00
		31 Uger Customers	3,530.00
		CLOSING BALANCE	
		1 Cash in hand	18,542.33
		2 Cash at bank **Schedule-6**	21,80,323.78
TOTAL	**494,47,884.49**	**TOTAL**	**494,47,884.49**

0.00

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts.
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

For: Jatan Sansthan

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 70187

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Place: Udaipur (Raj.)
Date: 25th July 2016

उदयपुर जिले के सलूंबर और खेरवाड़ा ब्लॉक में चल रही है विशेष परियोजना

संयुक्त राष्ट्र सिखा रहा बेटियों को जीना

यूएनएफपीए की टीम आदिवासी बालिकाओं से हुई रूबरू

पंकज वैष्णव . उदयपुर @ पत्रिका

patrika.com/city

जिले के सलूंबर और खेरवाड़ा क्षेत्र के गांवों में रहने वाली आदिवासी बालिकाएं संयुक्त राष्ट्र की मदद से जीवन जीने के तरीके सीख रही हैं। दोनों ब्लॉक में बीते महीनों से चल रही परियोजना के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इस विशेष कार्यक्रम में शामिल हुई चूल्हे-चौके, मजदूरी और खेती में जुटी बालिकाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। यह सब यूनाइटेड नेशन फाउंडेशन और यूनाइटेड नेशन फाउंडेशन पॉपुलेशन फंड (यूएनएफपीए) की परियोजना से संभव हो पाया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से चल रही परियोजना के तहत दोनों ब्लॉक में 652 आंगनबाड़ी केंद्रों को चुना गया। केंद्रों पर आदिवासी बालिकाओं के समूह बनाए गए। उन्हें स्वास्थ्य, महिला अधिकार, आर्थिक अधिकार, मानव अधिकार, सामाजिक गतिविधियों आदि विषयों की जानकारी दी गई। इसके लिए 10 से 19 वर्ष तक की उन बालिकाओं को चुना गया, जो स्कूल नहीं जाती हैं। अधिकांश बालिकाएं वे हैं, जो मजदूरी, खेती व घरेलू काम में जुटी हुई हैं और उन्हें दीन-दुनिया की जानकारी देने का कोई माध्यम नहीं है।

इसलिए चुने

यूएनएफपीए की स्टेट यूथ कंसल्टेंट दिव्या संस्थानम ने बताया कि संगठन ने देशभर में आदिवासी क्षेत्र की तलाश की। शिक्षा का स्तर व लिंगानुपात कम होने से सलूंबर और खेरवाड़ा को चुना गया।

'आपके देश में भी कच्चे घर हैं क्या...'

परियोजना से आदिवासी बालिकाओं के जीवन में आए बदलाव को जानने के लिए यूएनएफपीए की टीम ने दोनों ब्लॉक का निरीक्षण किया। आदिवासी बालिकाओं से रूबरू होकर सवाल-जवाब किए। बालिकाओं ने खुले मन से वार्तालाप की। टीम सदस्यों ने जीवन कौशल से जुड़े सवाल पूछे, वहीं बालिकाओं ने अमेरिका में मौसम, खानपान, रहन-सहन, रीति-रिवाज के सवाल पूछे।

खेरवाड़ा के मेडियास में आदिवासी बालिकाओं से रूबरू होती यूएनएफपीए की टीम। पत्रिका

गांवों में बिताए दो दिन

टीम में 11 सदस्य थे। टीम ने बालिकाओं के साथ दो दिन बिताए। पहले दिन सलूंबर के ढलेवा और कियारा गांवों का भ्रमण किया दूसरे दिन खेरवाड़ा के लराठी और मेडियास गए। टीम ने बालिकाओं के साथ खेलकूद में हिस्सा लिया। टीम में यूएनएफ डायरेक्टर वलिस, अनु जैन, प्रियंका जैन, एलिस, बेल, यूएनएफपीए के वेंकटेश श्रीनिवासन, रजत रे, स्टेट प्रोग्राम कॉर्डिनेटर सुनील थॉमस, रजनीश रंजन आदि शामिल थे। महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक श्वेता फगोड़िया भी मौजूद थीं। खेरवाड़ा में जतन संस्था और सलूंबर में विहान संस्था के माध्यम से परियोजना चल रही है।

कला

लोक रंगों के बीच ग्रामीण युवा महोत्सव का हुआ आगाज, 450 से ज्यादा हैं सहभागी

युवा महोत्सव में रॉक और लोक का फ्यूजन

सिटी रिपोर्टर. उदयपुर.

गांधी ग्राउंड में सोमवार को शुरु हुए युवा महोत्सव में विभिन्न लोकरंग एक मंच पर आ पाए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण म्यूजिक रॉक बैंड ख्वोगेंस और लोक कला मंडल के कलाकारों की जुगलबंदी रही। केसरिया बालम और मां तुझे सलाम से आरंभ हुई इस जुगलबंदी में दोनों दलों ने रॉक और लोक संगीत का अद्भुत फ्यूजन प्रस्तुत किया। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के मार्गदर्शन में जतन संस्थान एवं नेहरु युवा केंद्र के साझे में हुए दो दिवसीय युवा महोत्सव का आगाज महापौर चंद्रसिंह कोठारी ने किया। पहले दिन अलग अलग क्षेत्रों से आए युवाओं ने जहां अपने अनुभवों को साझा किया, वहीं समाज की बेहतरी के लिए युवा समूहों के प्रयासों को सदन के सामने रखा गया। कार्यक्रम के राज्य समन्वयक ओमप्रकाश ने बताया कि महोत्सव में उदयपुर, राजसमंद और झालावाड़ के तकरीबन 450 से अधिक युवा भाग ले रहे हैं। इस मौके पर जतन संस्थान के निदेशक डॉ. कैलाश बृजवासी भी मौजूद रहे।

भण्डारी दर्शक में युवा महोत्सव कार्यक्रम में शामिल शहरवासी।

सांस्कृतिक संध्या में क्षेत्रीय प्रस्तुतियां

रात्रि में अलग अलग उपखंडों ने अपने अपने क्षेत्र के लोक नृत्य और गीत प्रस्तुत किए। कोटड़ा से आई किशोरियों ने गरासिया हेल की प्रस्तुति दी, खेरवाड़ा और ऋषभदेव के युवाओं ने गरबा प्रस्तुत किया। भींडर के संभागियों ने प्रसिद्ध गैर नृत्य किया।

विदेशियों ने गांवों में जगाई स्वच्छता की अलख

कनाड़ा से आए छात्राओं का दल रेलमगरा उपखण्ड के छड़ंगाखेड़ी गांव के विद्यालय की दिवारों पर चाईल्ड फ्रेण्डली कलाकृति उकेरते हुए। रेलमगरा

केनेडियन छात्राओं ने ग्रामीणों को सिखाए गुर

रेलमगरा @ पत्रिका

patrika.com/city

जनसहभागिता से किए जाने वाले विकास सम्बन्धी कार्य न केवल सफल होते हैं, बल्कि लम्बे समय तक अपना प्रभाव भी बनाए रखते हैं। यह विचार टोरंटो (कनाडा) के ओपेर्शनल ग्राउंड्स वेल संस्थान की ओर से जतन संस्थान में आए अध्ययन दल प्रभारी क्लेयर ने व्यक्त किए। दल के सदस्यों ने उपखण्ड के विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को स्वच्छता घटकों की जानकारी दी, वहीं स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने के प्रयास किए। दल में कनाडा से पहुंची कुल 12 छात्राओं ने जतन संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में शामिल होकर विकास कार्यों की बारीकियों को सीखा। निदेशक डॉक्टर कैलाश बृजवासी ने बताया कि आपसी अनुभवों से सीखने की प्रक्रिया में भारतीय एवं विदेशी योजनाओं का आदान-प्रदान हुआ है। कार्यक्रम प्रबंधक भूपेन साहू ने बताया कि सांसेरा खेड़ी गांव में नामांकन अभियान, जीतावास गांव में पोषण अभियान और कानाखेड़ा में स्वच्छता अभियान चलाया। जागरूकता के लिए नारा लेखन, रैली, पोस्टर, ग्राफिटी और ग्रामीण खेल आयोजित किए। सांसेरा खेड़ी में 21 वंचित बालक-बालिकाओं को स्कूल से जोड़ा। इस दौरान छड़ंगाखेड़ी विद्यालय में विदेशी छात्राओं ने हाथों को रंग में भीगो कर दीवारों पर आकर्षक कलाकृतियां भी उकेरीं। छात्राओं ने बताया कि ये कलाकृतियां अध्ययन में जागरूकता लाती हैं एवं बालकों को नियमित विद्यालय पहुंचने के लिए आकर्षित करती हैं। कानाखेड़ा में सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के जिला प्रभारी नानालाल सालवी, मुबारक खान और दिनेश गुर्जर के सहयोग से शौचालय निर्माण के 98 आवेदन भरे। जन सहयोग से एक जल सोखता गड्ढा भी बनाया गया। किशोरियों में खून की कमी रोकने के लिए पौष्टिक आहार सेवन जैसे महत्वपूर्ण सत्र आयोजित कर डंडीदार लोठे बांटे। इस दौरान उप निदेशक गोवर्धन सिंह, मंजू खटीक, कन्हैयालाल, सुमित्रा मेनारिया, पिंकी, शाहनवाज, श्यामा, चिराग मेनारिया, गंगाराम प्रजापत और चिन्मय मौजूद थे।

पालनहार योजना से जोड़ने पर चर्चा

कुम्भलगढ़. सर्व ब्राह्मण समाज की तहसील स्तरीय बैठक चारभुजा मंदिर, गामड़ी में अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में हुई। इसमें समाज के श्रावणी पर्व परशुराम जयंती मनाने, गरीब बालकों के लिए निःशुल्क पाठ्यसामग्री एवं गणवेश उपलब्ध करवाने, असहाय बच्चों को पालनहार योजना से व पंचायतवार प्रभारियों को जोड़ने पर चर्चा की। अम्बाशंकर उपाध्याय ने ब्राह्मणत्व पर चर्चा की। इस दौरान बिहारीलाल जोशी, गोपाललाल आदि मौजूद थे।

साफे बांध बताया हम पुरुषों से कम नहीं

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पुरानी कलक्ट्री परिसर में आयोजित जिला स्तरीय समारोह साफा बांधो प्रतियोगिता में हिस्सा लेतीं प्रतिभागी महिलाएं।

समारोह में महिलाओं का सम्मानित करती जिला कलक्टर अर्चनासिंह। पत्रिका

प्रतियोगिताओं से खिला मन

21 को मिला माता यशोदा पुरस्कार

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हुए विविध आयोजन

राजसमंद @ पत्रिका

patrika.com/city

उत्कृष्ट कार्य करने पर मिला सम्मान

जैंडर संवेदनशीलता पर भी चर्चा

निबंद स्पर्धा

महिलाओं की खेल प्रतियोगिताएं

ओड़ा में कैंडल मार्च करते जतन संस्थान के सदस्य एवं ग्रामीण। पीपली आचार्यान

ओड़ा में निकाला कैंडल मार्च

पीपली आचार्यान. ओड़ा में डायन बताकर मारपीट की घटना में घायल वृद्धा नानीबाई की मौत के बाद दाह संस्कार होते बुधवार रात जतन संस्थान व ग्राम पंचायत ने ओड़ा ग्राम पंचायत के हजारिया गांव से मौन जूलूस और कैंडल मार्च निकाला। संस्थान के डॉ. कैलाश बृजवासी ने कहा कि महिलाओं के साथ भविष्य में ऐसी शर्मनाक घटना घटित नहीं हो, इसके लिए युवाओं को विचार करना होगा कि हम समाज को क्या दिशा देना चाहते हैं। इस दौरान सरपंच चन्द्रवीर सिंह सिसोदिया ने महिला सशक्तिकरण, महिला घरेलू हिंसा, महिला सुरक्षा जैसे विषयों पर बोलते हुए मृतका की आत्मा की शांति की कामना की।

Slum dwellers make fabric sanitary pads to save environ

Times News Network

Udaipur: Waking up to the vast damage caused to the environment by disposable sanitary napkins which often choke sewer lines and pollute landfills, an Udaipur-based NGO has been making and advocating reusable fabric sanitary napkins 'UGER' which literally means a 'new beginning' in Mewari.

The women making UGER pads belong to the lower economic groups in Udaipur and have been provided with extensive training in stitching. They work to create reusable cloth sanitary napkins. These pads are made with the intention of combating the growing use of disposable products in India, and the lack of an effective waste management system that our country faces.

The unit situated in a slum settlement at Ramnagar Basti daily produces 300 to 450 'potlis' of cloth pads which are gaining acceptability even in urban households across the country.

The unit has now become a supplementary source of income for slum women and a training centre as well to teach the community to stitch on their own. After learning the skill here, many entrepreneurs have set up similar units in big cities like Bhopal and Lucknow, while UGER pads are being marketed by Jatan Sansthan through online outlets across the country. The organisation has been holding rallies and workshops from Udaipur to Srinagar in collaboration with other NGOs to spread awareness on the less explored subject of menstrual management.

"It is not a commercial venture for us but a campaign to break the silence on the taboo subject of menstruation. We have come across tragic case studies in which young girls had to undergo uterus removal surgery after suffering from infection due to menstrual problems," said Om Prakash Gayari, the programme manager of Jatan Sansthan. Menstruation is generally perceived as a 'female affair' and men are least concerned about how their mothers, wives and daughters manage during their hard days. In rural areas, women are too shy to ask for a sanitary pad from shopkeepers who are mostly men.

"Even access to the readymade napkins does not solve all problems as their disposal has become a great concern for environment. A single woman will throw away close to 120 to 150 pads in 12 to 14 menstrual cycles covering the whole year. In her lifetime of approximately 40 years of menstruation, this translates to anywhere between 5,000 to 6,000 pads," said Laxmi Murthy, a researcher at IIT-Bombay. Her area of work is 'menstruation and menstrual management'.

Readymade pads are non-biodegradable and non-recyclable. Thus, they disintegrate into microscopic components and cause pollution by entering waterways. At a micro level, there is negative health evidence which was gathered directly from pad users themselves. The thin gel pads do not seem to suit all users. Women reported discomfort, infection, allergies, severe itching, boils and in extreme cases, abscess.

"Seeing all this, we felt a need for an option that would address some of the issues raised both from health and environment angles in order to make menstruation management a sustainable activity for all economic groups. We consulted with Ecofemme, Auroville, pioneers of reusable cloth pads in India, and UGER emerged as the solution," Laxmi said.

One pad can be used 70 to 80 times and costs Rs80, thus making it cheaper compared to the disposable one. Besides, these pads provide a livelihood as they are handmade generating employment within the community.

While creating a product that is helpful to the environment, women like Bhanwari Bai Rao, Hudi Bai, Divya Khatik, Santosh Kumawat, Roshan Devi Salvi and Ladkanwar are also engaged in enhancing their livelihoods, as they earn income through the sale of the pads, and also learn valuable skills such as stitching, banking and business management. Additionally, the project works to increase awareness about menstruation and end the silence and taboos surrounding the matter, through seminars in colleges and in discussions with different community groups in both rural and urban areas.

Women stitching 'UGER' sanitary napkins in Udaipur

महिला जनप्रतिनिधियों ने समझी पंचायतीराज व्यवस्था

रेलमगरा में जतन संस्थान की ओर से आयोजित प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करते महिला जन प्रतिनिधि। रेलमगरा

प्रभावी नेतृत्व व सम्प्रेषण के तरीके

रेलमगरा @ पत्रिका

patrika.com/city

जतन संस्थान की ओर से द हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग से ब्लॉक की महिला जनप्रतिनिधियों का पंचायत राज व्यवस्था में सशक्त भागीदारी के लिए आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन मंगलवार को हुआ।

मेला ग्राउण्ड स्थित समाज कल्याण विभाग के छात्रावास में आयोजित शिविर में वार्ड सभा, ग्राम सभा, पाक्षिक बैठक, पंचायत दिवस, स्थाई समितियां, त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था, वार्ड पंच, सचिव, एवं सरपंच की भूमिका, महिलाओं की स्थिति, महिला हिंसा, वंचित वर्ग की पहचान, 73वां संविधान संशोधन, मुद्दों की पहचान, सहयोगी ढांचा, 11वीं अनुसूची में वर्णित 16 विभागों के 29 विषयों, पंचायत की आय, नरेगा, सूचना का अधिकार, कल्याणकारी योजनाएं आदि पर जानकारियां खेल, रोल प्ले, समूह चर्चा, पावर पॉइन्ट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी गई। साथ ही प्रशिक्षण शिविर में पंचायत स्तर की समस्याओं की पहचान के बाद महिला पंच-सरपंचों द्वारा आगामी 3 माह की कार्ययोजना पंचायतवार तैयार की गई।

द हंगर प्रोजेक्ट के अधिकारी वीरेन्द्र श्रीमाली ने सशक्त होकर पंचायतों में स्वयं की भूमिका निभाकर निडरता से काम करने का आह्वान किया।

जतन संस्थान के उपनिदेशक गोर्वधनसिंह चौहान ने बताया कि ब्लॉक की 6 पंचायत पिपली-डोडियान, सादड़ी, रेलमगरा, सिन्देसर कलां, बामनिया कलां, सकरावास की चार महिला सरपंच, निशा जाट, धीरज कंवर, मंजू आर्य, कैलाश कुमावत सहित 25 वार्ड पंचों ने प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। चौहान ने बताया कि आगामी दिनों में तीन चरणों में सभी महिला जनप्रतिनिधियों को जून तक प्रशिक्षण देकर प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।

सिर्फ 8वीं पास मंजु जज तो नहीं, पर हैं जीवंत न्यायालय

भास्कर इंस्पीरेशन

शक्ति को नमन

आइए, आपको मिलवाते हैं रेलमगरा क्षेत्र की रहने वाली **मंजु खटीक** से। कोई ज्यादा नहीं महज आठवीं तक पढ़ी हैं। ये जज तो नहीं हैं लेकिन, जो काम कर रही हैं वो कोर्ट-कचहरियों में भी शायद ही संभव हो। 16 साल में इन्होंने यौन उत्पीड़न, दहेज प्रथा और कई मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना के 503 मामलों में से 326 मामले गांवों की चौपाल पर ही सुलझा दिए। इतना ही नहीं, महिला सशक्तीकरण की ये मिसाल हैं। आज हर रोज गांव की 40-50 महिलाएं अपनी समस्याएं लेकर मंजु के पास आती हैं। **ये सबकुछ कैसे कर रही हैं मंजु, जानिए-**

अर्बुद पंड्या | उदयपुर

मंजु अपने गांव सहित आस-पास की महिलाओं को सशक्त बनाने में जुटी हैं। उनका सपना है कि गांव की हर महिला मजबूत और सक्षम बने। अन्याय और हिंसा से टूटे नहीं उसका मुकाबला करे। मंजु गांव की बेटियों को घुम करने के लिए उनसे नियमित संवाद रखती हैं। मंजु पिछले चुनावों में आस-पास के गांव की 160 महिला जनप्रतिनिधियों के कैपेसिटी बिल्डिंग का काम चुकी है। पंचायतीराज में महिला नेतृत्व पर इनकी समझ इतनी गहरी है कि इनको ओपी जिंदल फाउंडेशन की ओर से कुरुक्षेत्र में तीन बार वहां की महिला सरपंचों को प्रशिक्षण देने के लिए बुलाया गया है। अब हजारों भी मंजु के कामकाज से प्रभावित हैं।

महिलाओं को बना रही सक्षम और सशक्त

ससुर बोले-बेटी जनी है, खुद ही कमाओ-खाओ

ऐसी बर्बरता, रौंगटे खड़े हो जाए,...पर मैं लड़ी

मंजू की नजर में ये है समाधान की लोकतांत्रिक राह

जीयो नो निगेटिव लाइफ

जीवन का सबक : कुछ करने के लिए साधन-संसाधन से ज्यादा हौसले की जरूरत है

भास्कर की इस पहल पर अपने विचार और आपके आसपास में ऐसी कोई शक्ति स्वरूपा हो तो हमें इन नंबरों 9672935359 पर वाट्सएप व Udaipurbhaskar31@Gmail.com पर मेल करें।

मैं लाड लौहार, हमारे डेरे में पढ़ने वाली पहली लड़की, कुरीतियों से लड़ी, कानून की चौखट चढ़ी, आत्मनिर्भर बनी...खुश हूं मेरे प्रयासों से आज बदल रहा है समाज

गाडिया लौहार समाज में बदलाव लाने वाली 29 वर्षीय युवती के संघर्ष की कहानी

मैं लाड लौहार। 9 साल की थी तब लड़कियों को स्कूल जाते हुए देखती तो स्कूल जाने का मन करता, लेकिन मैं तो घुमंतु गाडिया लौहार समाज से थी। हमारे डेरे में लड़कियों को स्कूल जाने की कहां इजाजत थी। मुझ पर छोटे भाई-बहनों को संभालने की जिम्मेदारी थी। जैसे- तैसे कर समय निकाल कर स्कूल जाने वाली लड़कियों से दोस्ती की। सहेलियां भी मुझे अपने साथ स्कूल ले जाने का तैयार हो गई। अध्यापकों से इजाजत लेकर क्लास में पढ़ते-पढ़ते पांचवीं जितनी पढ़ गई।

इसके बाद 19 साल की उम्र में चित्तौडगढ़ के घंटेड़ी गांव में शादी हो गई। मैंने भी कई सपने देखे थे। लेकिन शादी वाले ही दिन सासु मां की मृत्यु हो गई। इसके बाद तो मुझे मनहूस घोषित कर प्रताड़ित किया जाने लगा। जैसे-तैसे मैं पीहर आ गई। लेकिन यहां भी मेरा जीना मुश्किल हो गया। समाज के रिवाज के अनुसार या तो ससुराल जाओ नहीं तो लड़के वालों को पैसे दो। बाबा को मेरे ससुराल वालों को करीब एक

समाज का ये तानाशाही रिवाज

बेटी की शादी के बाद अगर कोई अनबन होती है तो पहले लड़की को समझाया जाता है। या तो ससुराल जाओ नहीं तो लड़के वालों को खर्चा दो। शादी में लड़के वालों का जो भी खर्चा हो उसके अनुसार हर्जाना देना पड़ता है। यह वर्षों से समाज का रिवाज है। लड़कियां हमारे समाज में नहीं पढ़ती हैं।

-अंबालाल लौहार, मुखिया, गाडिया लौहार समाज

से बाहर तो नहीं किया पर कसूरवार जरूर मानते हैं। इनकी परवाह किए बगैर मैं मैं अब समाज की बच्चियों को पढ़ाई के फायदे बताती हूं। महिलाओं को अपनी बेटियों को स्कूल भेजने के लिए गुहार लगाती हूं। कई महिलाओं को मेरी बात समझ भी आने लगी हैं। वे अपनी बच्चियों को स्कूल भेजने लगी हैं।

हां, एक बात और आपको बताना चाहती हूं। बहन की शादी पक्की हो गई। लेकिन मेरे मन में भय था की कहीं इसके साथ भी वह ना हो जो मेरे

समझाए पंचायती राज व्यवस्था के पहलू

जतन संस्था की ओर से साधना शिखर पर आयोजित महिला सशक्तिकरण कार्यशाला में उपस्थित महिला जनप्रतिनिधि। पत्रिका

महिला जनप्रतिनिधियों की फॉलोअप कार्यशाला सम्पन्न

राजसमन्द. जतन संस्थान व द हंगर प्रोजेक्ट जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय महिला जनप्रतिनिधी फॉलोअप कार्यशाला स्थानीय तुलसी साधना शिखर में बुधवार को सम्पन्न हुई। उप निदेशक गोवर्धनसिंह चौहान ने बताया की पूर्व में दिए गए प्रशिक्षण के बाद आई ताकत का मूल्यांकन करते हुए महिला जनप्रतिनिधियों के कर्तव्य और अधिकार, पंचायती राज व्यवस्था, पाक्षिक बैठक में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, उच्च अधिकारियों से समन्वयन, पंचायत में आ रही समस्याओं को सामूहिक रूप से समझा गया।

प्रशिक्षक सुमित्रा मेनारिया ने महिला जनप्रतिनिधीयों को पंचायत में निडर होकर काम करने तथा अपने अधिकारों का उपयोग कर वार्ड, पंचायत के वंचित वर्ग को लाभ दिलवाने में अपनी अहम भूमिका निश्चित करने की अपील की। कन्हैया लाल जीनगर ने बताया की कार्यशाला में संगठित होकर कार्य करने पर जोर दिया गया। कार्यशाला में रेलमगरा ब्लॉक के 11 पंचायत से दो सरपंच व 3 उप सरपंच कुल 31 जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। संस्थान के कार्यकर्ता लक्ष्मी शर्मा व श्यामा वैष्णव की उपस्थिति रही।

वार्षिक रिट्रीट

13-16 सितम्बर को जतन के वार्षिक रिट्रीट कैंप में वह सब कुछ था, जिसका इंतज़ार हरेक कार्मिक को साल भर रहता है. इस साल यह कैंप जोधपुर के जाने माने उम्मेद क्लब में संपन्न हुआ. तीन दिनी इस सालाना कैंप में नाट्य बारीकियों से लेकर टीम बिल्डिंग और खेल स्पर्धाओं से लेकर रोल प्ले तक.. सब कुछ था. मुख्य प्रशिक्षक के तौर पर उदयपुर के जाने माने रंगकर्मी श्री विलास जान्द्वे ने अपनी सेवाएं दी.

जोधपुर के जिला कलक्टर डॉ. प्रीतम बी. यशवंत भी दूसरे दिन जतन टीम से मिलने पहुंचे और साथ में सेल्फी खिंचवाई. इस दौरान उन्होंने जतन को उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनाएं दी और अपने राजसमन्द के कार्यकाल को भी याद किया. अंतिम दिन जोधपुर के पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया गया.

Photographs credits: (Page number- Name)

9, 30A- Virendra Singh; 10,21,22,23- Arvind Jodha; 14- THP Jaipur; 18- Prasun Banargi; 19, 37, 45- Bhupen Sahu; 24,25- Dinesh Railmagra; 26, 27- Pyxera Global website; 28 A,B- Dr. Kailash Brijwasi; 30B- UNFPA; 30C- CHETNA; Cover page, Cover page inside, Cover page last inside, 01,06,07, 12,13,15,16,28C, 32- Om

Jatan Sansthan
05- Tirupati Vihar, Opp. Celebration Mall, Bhuwana, **Udaipur**-313
Subhash Nagar, 100 feet Road , **Rajsamand**-313326
Police station road, **Railmagra** (Dist. Rajsamand)- 313329
Sirohi road, near Petrol pump, Gogunda (Dist. Udaipur)
Bus stand road, Gangapur, Sahada (Dist: Bhilwara)
Kapilvastu Colony, Patan road, **Jhalawar**- 326001
52, Arihant Mahaveer Colony, **Kherwara**, Udaipur- 313803

web: www.jatansansthan.org
email: info@jatansansthan.org
facebook: /JatanUdaipur
twitter: @JatanUdaipur